04 - एपस्टीन फाइल और हैवानियत की दुनिया

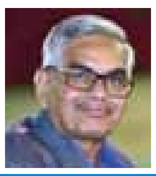
05 - गाम्बिया - जहाँ पत्थरों से मतदान होता है

06 - वेदी प्रतिष्ठा समारोह दीपावली अनुरूप उत्सव, शोभायात्रा निकली...

07 - कलेक्टर ने प्रशिक्षणार्थियों से जमीन में बैठ कर संवाद किए

A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 09 फरवरी, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 129, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

एपस्टीन फाइल्स यानी पूंजीवाद का घिनौना चेहरा

अरुण कुमार त्रिपाठी

जिन्हें पूंजीवाद से प्रेम है और जो मानवता का भविष्य इसी व्यवस्था में देखते हैं उन्हें एपस्टीन फाइल्स की रोशनी में अपनी मान्यताओं पर नए सिरे से विचार करना चाहिए। जेफरी एपस्टीन नाम के इस अमेरिकी फाइनेंसर ने अपने एक स्वतंत्र द्वीप पर छोटी बच्चियों से यौन दुराचार का जो विश्व कीर्तमान कायम किया है उसने मानवता के मेरुदंड में सिहरन पैदा कर दी है। बच्चों से बलात्कार, दुराचार और उसमें दुनिया को चलाने वाली कई हस्तियों की भागीदारी ने यह साबित कर दिया है कि पूंजीवाद एक वासना है जिसके लिए किसी नैतिकता और मानवता का कोई मूल्य नहीं है। उनके लिए यौनिक नैतिकता और सुचिता का कोई मूल्य नहीं है। उसे संचालित करने वाले बेहद भ्रष्ट, पतित और गलीज हैं। वे भयानक रूप से झूठे और हिंसक हैं और इस संसार को उनके भरोसे छोड़ा नहीं जा सकता।

पूंजीवाद के इस घिनौने चेहरे की कथा बहुत विस्तृत है। इसमें 60 लाख पेज के दस्तावेज हैं, तमाम ईमेल हैं और लाखों वीडियो हैं। अमेरिकी संसद से नवंबर 2025 में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपैरेंसी एक्ट पास होने के बाद भी अभी तक इस कहानी का पूरा ब्योरा उजागर नहीं हुआ है। पर इन कहानियों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पूंजीपति एलेन मस्क, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पूंजीपति बिल गेट्स, आध्यात्मिक मामलों के विशेषज्ञ और गुरु दीपक चोपड़ा, भाषाविद् और राजनीतिशास्त्री नोम चोमस्की, ब्रिटिश राजघरानों के राजकुमारों का चेहरा झांक रहा है। जेफरी एपस्टीन से संपर्क रखने वालों में भारत की भी कुछ विभूतियों के नाम आ रहे हैं। लेकिन उनकी भागीदारी किस हद तक है यह अभी साफ नहीं है। क्योंकि सिर्फ ईमेल के आदान प्रदान और एकाध बार मिल लेने से कोई यौन अपराध में शामिल है यह सिद्ध नहीं हो जाता।

लंका का वर्णन करते हुए तुलसी दास ने लिखा है– कहिं महिष मानुष धेनु अज, खर खल निसाचर भक्षहिं। यहि लागि तुलसीदास इनकी कथा संक्षेपहिं कहीं। उसी लंका के वैभव और वासनामयी संसार का वर्णन वाल्मीकि ने विस्तार से किया है और बताया है कि जब हनुमान सीता को ढूंढते हुए महलों में जाते हैं तो वहां की विलासमयी रात्रि का क्या दृश्य है। हालांकि जेफरी एपस्टीन के लिटल सेंट आइलैंड या एपस्टीन आइलैंड की तरह ही लंका भी एक वैभवशाली और चारों ओर से सुरक्षित द्वीप ही था, लेकिन इस तरह के व्याभिचार का दृश्य वहां भी नहीं है और न ही किसी कवि ने इसकी कल्पना की है जो कि ग्रीनलैंड से सटे उस द्वीप पर उजागर हो रहा है। विडंबना यह है कि इस तरह के द्वीपों या उन पर उन्मुक्त आचरण करने वालों से निजात पाने के लिए इस सभ्यता में न तो किसी राम की कल्पना है और न ही किसी विभाषण की, न ही किसी वैकल्पिक सभ्यता की।

उल्टे इस आधुनिक समाज के बौद्धिक और विचारक उसी अमेरिकी जीवनशैली और राज्यव्यवस्था में इन प्रवृत्तियों का समाधान देख रहे हैं। यानी सारा समाधान उसी लंका में देखा जा रहा है, जो सोने की है जिसके पास तमाम चमत्कारी यंत्र हैं जिसने सूरज, चंद्र, शनि और तमाम दूसरे नक्षत्रों को कैद कर रखा है और जो कभी भी किसी का अपहरण करके अपने यहां बंदी बना सकता है। इतना कुछ होने के बावजूद भारत में तमाम बौद्धिक अमेरिका की इस बात के लिए तारीफ कर रहे हैं कि देखो ना वहां कैसा लोकतंत्र है कि वहां की संसद ने बाकायदा कानून पास किया कि एपस्टीन फाइलों को सार्वजनिक किया जाए। कहीं भारत में भी ऐसा हो सकता है? वे यह भी कहते हैं कि भारत तो अभी देवदासी प्रथा, जाति प्रथा जैसी तमाम बुराइयों में उलझा हुआ है, इसलिए उसे अमेरिका और उस आधुनिकता को नसीहत देने का कोई हक नहीं है जो सभ्यता के विकास का इंजन है।

यह कुछ वैसा ही तर्क है जैसा तर्क अमेरिकी लेखिका कैथरीन मेओ की किताब 'मदर इंडिया' आने के बाद साम्राज्यवादी दे रहे थे। यानी शैतानी सभ्यता को कोसने के लिए तुम्हारे पास कोई नैतिक आधार नहीं है। क्योंकि वे इसी आधुनिक सभ्यता को सारे संसार का अभीष्ट मानते थे। इस आधुनिक सभ्यता की आलोचना उस समय एडवर्ड कारपेंटर ने 'सिविलाइजेशन इट्स काज एंड क्योर' लिखकर की थी। रस्किन ने 'अनटू दिस लास्ट' लिखकर की थी। थामस टेलर ने 'फैलेसी आफ स्पीड' लिखकर की थी। लेवो तालस्ताय ने 'किंग्डम आफ गॉड इज विथिन यू' और 'लॉ आफ लव एंड ला आफ वायलेंस' लिखकर की थी। गांधी ने 'हिंद स्वराज' लिखकर की थी। गांधी ने तो इसे शैतानी सभ्यता कहा था जिसका यूरोप के कई लोगों ने विरोध किया था।

बीसवीं सदी के आखिर में अमेरिकी अर्थशास्त्री रेमंड डबल्यू बेकर ने अपनी किताब 'कैपिटलिज्म एकलीज हील' में इस बात का विस्तार से वर्णन किया है कि पूंजीवाद की तरक्की कितने बड़े पैमाने पर काले धन, खून से सने उत्पाद और आतंकवाद व हथियारों के व्यापार से माध्यम से होती है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर पूंजीवाद ने नैतिक मार्ग नहीं अपनाया तो उसका विनाश निश्चित है। हालांकि पूंजीवाद हमारी जीवन शैली में इस प्रकार समा गया है कि वह अकेले नहीं मरेगा बल्कि अपने साथ हमें भी ले जाएगा, अगर हमने समय रहते अपने को उससे अलग नहीं किया। पर क्या उतना समय बचा है?

हमने नियम कानूनों से सुसज्जित जो दुनिया बनाई है उसमें अगर इस तरह की अनैतिकता और अपराधों की अगर सजा है तो शक्ति संपन्न लोगों ने उससे बचने के लिए निरापद द्वीप खरीद लिए हैं। कुछ लोग उसे विलासिता के द्वीप कह सकते हैं। लेकिन वे द्वीप अंडमान निकोबार और ग्वेंतनामो की श्रेणी में ही आते हैं जहां पर राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार में बने मानवाधिकार और यौन अपराध के नियम नहीं लागू होते हैं। लेकिन वहां जाकर नियम और नैतिकता तोड़ने वाले शासक इन्हीं राष्ट्रीय भूभागों पर राज करते हैं। इसलिए ऐसा कैसे हो सकता है कि किसी जगह पर शैतानियत करने वाला व्यक्ति दूसरी जगह पर इंसानियत करे। दरअसल वह इंसानियत के द्वीपों, प्रायद्वीपों और महाद्वीपों को भी शैतानियत में ही बदल रहा है। इस चीज को गौर से देखने और संवेदनापूर्ण दृष्टि से महसूस करने की जरूरत है।

यह सही है कि हमने उन्नीसवीं सदी में ही ईश्वर को मार दिया था। हालांकि कई प्राचीन सभ्यताओं और धर्मों में तो ईश्वर की अवधारणा ही नहीं थी। उसकी जगह पर नैतिकता को स्थापित किया गया था। आधुनिक विचारधाराओं ने नैतिकता की उस आवश्यकता को कहीं तो आदर्शवाद से जोड़ दिया और कहीं पर संक्रमणकालीन मान लिया। पिछले पैंतीस सालों से उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण ने आर्थिक नीतियों को जिस ढंग से संचालित किया है उसमें हर चीज का वस्तुकरण कर दिया गया है। उस प्रणाली में धर्म, विज्ञान और नैतिकता यह सब विपणन की वस्तुएं हो गई हैं। यह बाजार की अदृश्य भुजा का चमत्कार है। शमशेर बहादुर सिंह ने कभी कहा भी था कि-इल्मो हिकमत दीनो ईमां हुश्नो इश्क, आप को बाजार से जो कहिए अभी ला देता हूं मैं। वस्तुकरण के इस अभियान में बचपन, यौवन और बुढ़ापा सभी विपणन की सामग्री हैं। या तो वे स्वयं विपणन के योग्य हैं या उनकी मदद से विपणन को गति दी जाती है। विपणन का उद्देश्य आखिरकार वासना की पूर्ति और ऐंद्रिक उपभोग ही होकर रह जाता है। एक लेखक ने कहा भी है कि एपस्टीन की फाइलों में दिखने वाले दुर्दांत चेहरे अगर बच गए तो जान लीजिए कि हमारी यह सभ्यता अनैतिकता के अंधकूप में डूबने को तैयार है।

रोचक तथ्य यह है कि इस समय दुनिया में पक्ष और विपक्ष दोनों ही ओर वही शैतानी सभ्यताएं खड़ी हैं। नैतिकता के आग्रही मनुष्यों के समक्ष कोई विकल्प ही नहीं है। लेकिन मनुष्य की प्रगति दैवी चमत्कारों और धर्मों के दायरे से बाहर निकल कर हुई है और उसने अपनी तर्क बुद्धि से अपने मूल्यों का विकास किया है। मनुष्य में विकल्प ढूंढने की क्षमताएं हैं। सवाल यह है कि क्या वह इस पूंजीवादी सभ्यता को बदल कर कोई विकल्प लाने की तैयारी कर रहा है? क्योंकि पूंजीवाद ने लोकतंत्र का आहार कर लिया है। मानवाधिकार को लील लिया है। अब वह सामंती अत्याचारों का हवाला देकर अपने अस्तित्व का नैतिक आधार सिद्ध नहीं कर सकता। इसलिए अगर हमारी सभ्यता को इंसानी सभ्यता के रूप में बचना है तो निस्संदेह पूंजीवाद की शैतानी सभ्यता से निकलना ही होगा।

शरद की सुबह

मेरे जन्म का महीना फरवरी था
पसंद का मौसम उदासी
मेरी आँखें कत्थई नींद सुनहरी
सपनों का रंग साँवला था
मेरी आकांक्षाओं की धुरी पर घूम रही थी
पृथ्वी
मेरी कामनाओं से पकता महुआ
मेरी तर्जनी के इशारे पर चला सूरज
उँगलियों के पोरों से जन्मी तितलियाँ
मेरी ही देह से उपजे सारे स्वाद
पंछी मेरे ही भरोसे की उड़ान भरते रहे
फूल मेरे मन से चुराते रहे रंग
मुझे प्यास लगती तो मेह बरसता
मैं हँसती तो संगीत फूटता
मेरे लिये पेड़ों ने भोजन पकाया
कभी कोई गौरैया बालों में लगा जाती
गुलदाउदी
मैं प्रेम में थी और
समूची सृष्टि मेरा प्रेमपत्र बन गई।

– श्रुति कुशवाहा

कोई दोहरा मापदंड नहीं कोई समझौता भी नहीं

मलेशिया से पीएम मोदी ने आतंकवाद पर दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मलेशिया के उनके समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच व्यापक बातचीत के बाद भारत और मलेशिया ने रविवार को रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर तथा व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए कई पहलों की शुरुआत की। बैठक के बाद मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया एक विशेष संबंध साझा करते हैं और दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में अपने संबंधों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहा, आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है; कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं। पीएम मोदी शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर इब्राहिम ने उनका स्वागत किया जो द्विपक्षीय संबंधों में एक नई गति का संकेत है। वार्ता से पहले मोदी का आज सुबह पर्दाना पुत्र में औपचारिक स्वागत किया गया। मोदी ने कहा, भारत और मलेशिया के बीच एक विशेष संबंध है। हम समुद्री पड़ोसी हैं। सदियों से दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे और स्नेहपूर्ण संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा, आज, भारतीय मूल के लोगों की आबादी के मामले में मलेशिया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। हमारी सभ्यताएं, साझा सांस्कृतिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्य हमें एक सूत्र में बांधते हैं। मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष आतंकवाद विरोधी उपायों, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को मजबूत करेंगे।

तमिल भाषा मलेशिया की सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भारत और मलेशिया को जोड़ता है। मलेशिया में तमिल भाषा की मजबूत और जीवंत उपस्थिति शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मुझे पूरा विश्वास है कि आज हुए ऑडियो-विजुअल समझौते के साथ फिल्में और संगीत, खासकर तमिल फिल्में, हमारे दिलों को और करीब लाएंगी।' प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव पर जोर दिया और तमिल भाषा और तमिल सिनेमा को लोगों के बीच भावनात्मक निकटता बढ़ाने का जरिया बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता फिल्म और संगीत के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा, जिससे भारत-मलेशिया के संबंध और अधिक गहरे होंगे।

मुख्यमंत्री ने की शहडोल सिंचाई काम्प्लेक्स की घोषणा

सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की है पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की पहचान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय भाई-बहनों के सर्वांगीण विकास में जुटी है। जनजातीय भाई-बहनों का राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को माता शबरी जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निष्कपट भक्ति, समर्पण और साधना की सर्वोच्च प्रतीक शबरी मैया ने सारा जीवन रघुवर की प्रतीक्षा की। प्रेम में समर्पित इस प्रतीक्षा का फल केवल माता शबरी को ही नहीं मिला बल्कि स्वयं भगवान श्री राम को भी मिला। मनुष्य से मनुष्य का प्रेम ही सनातन संस्कृति की विशेषता है। भगवान श्रीराम और माता शबरी का प्रेम बताता है कि हमारे समाज में जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शहडोल जिले के धनपुरी में नगर पालिका द्वारा 20 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए वॉटर पार्क के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा तथा गजमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इसके बन जाने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी और कोचिंग जैसी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल सिंचाई काम्पलेक्स निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत सोन नदी पर 4 माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। लगभग 2300 करोड़ रुपए की इस योजना से 50 हजार हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, जिससे 122 गांव को लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैतपुर को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल मेडिकल कॉलेज में सीट वृद्धि के संबंध में विभाग से प्रस्ताव प्राप्त होने पर सीट वृद्धि की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल जिले में 160 करोड रुपए लागत से 45 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा जैतपुर महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के भवन निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन महाविद्यालय आरंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने 3 किलोमीटर लंबे मॉडल रोड निर्माण पर भी सहमति प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित है इसीलिए लाड़ली बहना योजना सहित महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना, लखपति ड्रोन दीदी योजना, रजिस्ट्री में माता-बहनों को 2 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

बीजापुर और सुकमा में 51 माओवादियों ने किया सरेंडर

24 महिलाएं हैं शामिल, मार्च 2026 है आखिरी डेडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 माओवादियों के खात्मे की आखिरी डेडलाइन दी है। पिछले कुछ महीनों से लगातार कई बड़े माओवादियों को मार गिराया गया है जबकि

सैकड़ो की संख्या में सरेंडर किया है। इस बीच सुकमा और बीजापुर में 51 माओवादियों ने सरेंडर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सरेंडर करने वालों में 24 महिलाएं शामिल थीं और जिन पर कुल 1.61 करोड़ रुपये का इनाम था। सरेंडर के बाद बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने कहा,पिछले दो सालों में 2,400 से ज्यादा माओवादी कैडर संगठन छोड़ चुके हैं। प्रशासन सभी इच्छुक कैडरों को सम्मानजनक पुनर्वास के लिए सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार की माओवादियों को खत्म करने की मार्च 2026 की समयसीमा करीब आ रही है। बता दें कि हाल ही में अबूझमाड़ में एक मुठभेड़ में एक नक्सली नेता एल प्रभाकर राव और छह अन्य मारे गए थे। सुकमा में 21 कैडरों ने (जिनमें 14 महिलाएं शामिल थीं और जिन पर 76 लाख रुपये का इनाम था) 14 हथियारों के साथ सरेंडर किया। इनमें 120 राउंड वाली तीन एके-47 राइफलें, 40 राउंड वाली दो राइफलें, 50 राउंड वाली राइफलें, पांच सिंगल-शॉट बंदूकें, 20 राउंड वाले तीन बैरल ग्रेनेड लॉन्चर, 10 जिलेटिन स्टिक, तार और 20 डेटोनेटर शामिल थे।

सीएम सरमा का बड़ा आरोप,केन्द्र को भेजेंगे रिपोर्ट

गौरव गोगोई गुपचुप पाकिस्तान गए थे,ट्रेनिंग भी ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद और असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर पाकिस्तान से कथित संबंधों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

- **मामले की जांच अब केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी**

मुख्यमंत्री का दावा है कि गौरव गोगोई 2013 में बिना जानकारी दिए पाकिस्तान गए थे और वहां किसी तरह का प्रशिक्षण लिया गया हो सकता है। इस मामले की जांच अब केंद्रीय एजेंसी से कराने की तैयारी है। रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि गौरव गोगोई 2013 में गुपचुप तरीके से पाकिस्तान गए थे और इसकी जानकारी भारतीय अधिकारियों को नहीं दी गई थी।

उन्होंने कहा कि आशंका है कि इस दौरान गोगोई ने वहां किसी प्रकार का प्रशिक्षण लिया हो। मुख्यमंत्री ने यह बयान विधानसभा चुनावों से पहले दिया है। हिमंता बिस्वा सरमा ने गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई पर भी गंभीर आरोप लगाए। मुख्यमंत्री का दावा है कि एलिजाबेथ भारत में एक संस्था में काम करते हुए देश से जुड़ी जानकारियां इकट्ठा कर पाकिस्तान भेजती थीं।

पाकिस्तान दूतावास की तस्वीर, सीएम ने किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने एक वायरल तस्वीर का भी जिक्र किया, जिसमें गौरव गोगोई युवाओं के साथ पाकिस्तान दूतावास जाते दिखे थे। उस समय भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त अब्दुल बासित थे। हिमंता ने कहा कि इस तरह की गतिविधि से पाकिस्तान को 'वैध ठहराने' की कोशिश की गई। उन्होंने यह भी कहा कि एलिजाबेथ ने पाकिस्तान में 18 मार्च 2011 से 17 मार्च 2012 तक काम किया था और इस दौरान उनके अली तौकीर शेख से करीबी संबंध बने। मुख्यमंत्री ने अली तौकीर शेख को पर्यावरणविद मानने से इनकार किया। उनका आरोप है कि शेख सिंधु जल संधि और भारत-पाकिस्तान विवाद से जुड़े मुद्दों पर पाकिस्तान के पक्ष में काम कर रहे थे। रिपोर्ट में अली तौकीर शेख, एलिजाबेथ गोगोई और गौरव गोगोई तीनों के पाकिस्तान से सीधे संबंध होने का दावा किया गया है। इस पूरे विवाद पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पहले ही मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के आरोपों को निराधार बता चुके हैं। गोगोई का कहना है कि यह आरोप मुख्यमंत्री पर लगे आरोपों से ध्यान भटकाने की कोशिश है। फिलहाल, मामला केंद्र सरकार के पास भेजे जाने की प्रक्रिया में है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 09 फरवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

चिनाब नदी पर 5 हजार करोड़ के डैम प्रोजेक्ट पर काम शुरू

सिंधु जल संधि रोकने के बाद मोदी सरकार ने दे दी हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने जम्मू और कश्मीर में चिनाब नदी पर 5,129 करोड़ रुपये की लागत वाली मेगा सावलकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। पाकिस्तान से रिश्तों में तनाव के बीच सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद केंद्र सरकार से हरी झंडी मिलने वाला यह पहला अपनी तरह का नया प्रोजेक्ट है।

सवालकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट चिनाब नदी पर बगलिहार प्रोजेक्ट के ऊपर की तरफ और सलाल प्रोजेक्ट के नीचे की तरफ स्थित है। इसके पहले स्टेज में 1,406 मेगावॉट का प्रोजेक्ट बनेगा और दूसरे स्टेज में 450 मेगावॉट का प्रोजेक्ट बनेगा। यह यह एक रन ऑफ द रिवर प्रोजेक्ट होगा। रिपोर्ट के अनुसार नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के उन डॉक्यूमेंट्स को

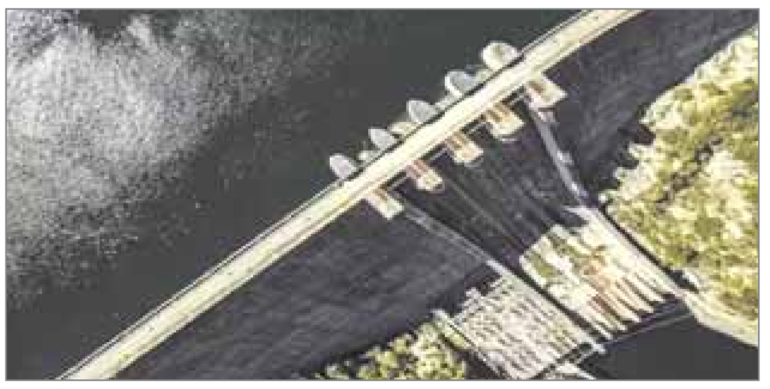

देखा है, जिसमें 5 फरवरी को कंपनियों को जम्मू और कश्मीर के उधमपुर और रामबन जिलों में इस मेगा प्रोजेक्ट को बनाने के लिए इनवाइट किया गया है।

इस रिपोर्ट में डॉक्यूमेंट्स के हवाले से कहा गया है कि प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करने के उद्देश्य से कंस्ट्रक्शन का तरीका और इक्विपमेंट का सिलेक्शन प्लान किया गया है, जो इस काम में तेजी को दिखाता है। सिंधु जल संधि के सस्पेंशन के बाद रणनीतिक महत्व के प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम करते हुए, पर्यावरण मंत्रालय की एक एक्सपर्ट कमेटी ने पिछले अक्टूबर में 1,856 मीटर के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। अब, एजेंसी ने इसे बनाने के लिए बोलियां मंगाई हैं। दस्तावेज़ों में कहा गया है कि जरूरी शुरुआती तैयारी के बाद बड़े कंस्ट्रक्शन का काम शुरू होगा। प्रोजेक्ट एरिया में एक साल में काम करने का समय सभी अंडरग्राउंड कामों और सतह के कामों के लिए 12 महीने होगा। इसमें नॉन-मॉनसून पीरियड में पूरी स्पीड से काम होगा और मॉनसून पीरियड में 50त्न स्पीड से काम होगा। दस्तावेजों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में 9 साल लग सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट में पिछले महीने बताया गया था कि केंद्र सरकार ने चिनाब नदी सिस्टम पर चार बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं।

जम्मू-कश्मीर में प्रोजेक्ट पूरा करने के निर्देश

सरकार ने अधिकारियों से कहा था कि वे दिसंबर 2026 तक पाकल दुल और किरू प्रोजेक्ट्स को चालू करें। साथ ही, मार्च 2028 तक क्वार प्रोजेक्ट को पूरा करें। इसके साथ ही रणनीतिक रूप से संवेदनशील रतले बांध पर कंस्ट्रक्शन में तेज़ी लाएं। इन प्रोजेक्ट्स में सबसे महत्वपूर्ण किश्तवाड़ में पाकल दुल हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट है। 1,000 मीटर का यह प्रोजेक्ट चिनाब बेसिन का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। 167 मीटर की ऊंचाई के साथ यह भारत का सबसे ऊंचा बांध है।

पीके कभी नीतिश कुमार का विकल्प नहीं बन सकते

- जदयू का बिहार में जनसुराज पार्टी की यात्रा पर तंज

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में शून्य पर सिमटी जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर फिर से राज्य में यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। इससे पहले, सत्ताधारी पार्टी जदयू ने तंज कसते हुए कहा है कि प्रशांत किशोर कभी भी मुख्यमंत्री नीतिश कुमार जैसे नहीं बन सकते हैं। प्रशांत किशोर की यात्रा पर जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने ऐसी लंबी लकीर खींची है कि उनका विकल्प बनना प्रशांत किशोर जैसे नेताओं के बस की बात नहीं। राजीव रंजन ने कहा कि प्रशांत किशोर के पास काफी समय है, लेकिन चुनाव के समय खूब हंगामा

मचाया था, फिर भी शून्य पर निपट गए। वे आगे भी यही कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के खिलाफ तेजस्वी यादव की टिप्पणी पर भी राजीव रंजन ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि लालू यादव का नाम अनेक घोटालों में शामिल है। अगर नेता बनने के लिए घोटालेबाज होना जरूर है, तो निसंदेह लालू प्रसाद यादव बहुत बड़े नेता हैं। लेकिन जनता के दुख दर्द, उनकी समस्या को जानने वाला क्यों व्यक्ति है तो वह नीतिश कुमार हैं। उन्होंने राज्य को विकसित बिहार बनने की ओर अग्रसर किया है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में पिछली बार राजद के सबसे बड़ी पार्टी बनने पर तेजस्वी यादव के सामने अवसर था कि वे विनम्र बनें, अहंकार त्यागकर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच भरोसा बनाएं, लेकिन वे विफल रहे और वर्तमान में उनकी पार्टी महज 25 सीटों वाली पार्टी है। राजद के अंदर गहरी उदासीनता का प्रभाव है। परिवार के अंदर भी विवाद है। इसलिए तेजस्वी यादव के लिए आगे का रास्ता आसान नहीं है।

श्री राजेन्द्र दास जी की कथा से गौ सेवा एवं प्राकृतिक खेती को मिलेगा बल : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 12 से 14 फरवरी तक मलूक पीठाधीश्वर श्री राजेन्द्र दास जी महाराज गौ कथा एवं गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर कथा करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयोजन की तैयारियों के संबंध में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्री राजेन्द्र दास जी की कथा से गौ संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती को बल मिलेगा। गौ अभ्यारण्य परिसर में आयोजित होने वाली कथा अप्रतिम व भव्य होगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि महाराज जी एवं उनके साथ आने वाले संतों के रूकने की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। बैठक व्यवस्था से लेकर पार्किंग तथा प्रसाद वितरण आदि की व्यवस्थाओं सहित प्रचार–प्रसार समिति आयोजन का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करें। कार्यक्रम स्थल में डॉक्टर्स की टीम की उपलब्धता एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल में बनने वाले प्रसाद में प्राकृतिक खेती से उत्पादित अन्न व सब्जी का ही उपयोग किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 12 से 14 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक महाराज श्री की कथा होगी।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में द्वितीय चरण में दुधारू गौवंश संरक्षित किये जायेंगे

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बैठक में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में द्वितीय चरण में दुधारू गौवंश के संरक्षण हेतु बनाये जाने वाले शेड व अन्य निर्माण कार्यों की कार्य योजना का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि गौवंश वन्य विहार से लगी 10 एकड़ भूमि में दुधारू गाय, बछड़ा व गर्भवती गायों के लिए शेड सहित भूसा शेड का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अभी बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में बेसहारा गौवंश के लिए संरक्षण केन्द्र स्थापित है। यहां प्राकृतिक खेती भी हो रही है। आने वाले समय में शेष भूमि में दुधारू गौवंश का संरक्षण भी किया जायेगा। इस प्रकार इस गौवंश वन्य विहार में दोनों मॉडल हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन सड़क मार्ग के दोनों तरफ पीपल का पौधरोपण किया जायेगा। इसके लिए वन विभाग के अधिकारियों को व्यवस्थायें करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण कार्यों की लंबित राशि का भुगतान संबंधितों को शीघ्र करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रात्रि विश्राम गौवंश वन्य विहार में किया।

पूरे पाकिस्तान और चीन के बीजिंग तक होगी पहुंच

अग्नि-3 मिसाइल के सफल परीक्षण से भारत गदगद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपनी रक्षा ताकत को और मजबूत करते हुए अग्नि-3 इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल के सफल परीक्षण से भारत की एक और मिसाइल की पहुंच पूरे पाकिस्तान और चीन के बीजिंग तक हो गई है। यह परीक्षण 6 फरवरी को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से किया गया। इस टेस्ट में मिसाइल ने बिल्कुल तय योजना

के मुताबिक अपने मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, परीक्षण के दौरान अग्नि-3 इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल के सभी तकनीकी व ऑपरेशनल पैरामीटर सफल रहे। सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को सामरिक बल कमान (एसएफसी) के जवानों ने एक मोबाइल लॉन्चर से लॉन्च किया। यह लॉन्च स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की निगरानी में हुआ, जो भारत की महत्वपूर्ण सैन्य ताकत का जिम्मा संभालती है। अग्नि मिसाइल सिस्टम भारतीय रक्षा प्रणाली का एक प्रमुख हिस्सा है। इससे पहले भारत ने अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था।

आरएसएस के शताब्दी समारोह के कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

ब्राह्मण ही नहीं, किसी भी जाति का बन सकता है सरसंघचालक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 100 साल पूरे होने पर मुंबई में आयोजित व्याख्यानमाला में आरएसएस चीफ पोस्ट को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण... कोई भी सरसंघचालक बन सकता है। सिर्फ ब्राह्मण होना ही योग्यता नहीं है। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह के मौके पर एक कार्यक्रम में मौजूद लोगों के साथ बातचीत के दौरान सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, संघ का सरसंघचालक कौन बने तो ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य या शूद्र सरसंघचालक नहीं बन सकता।

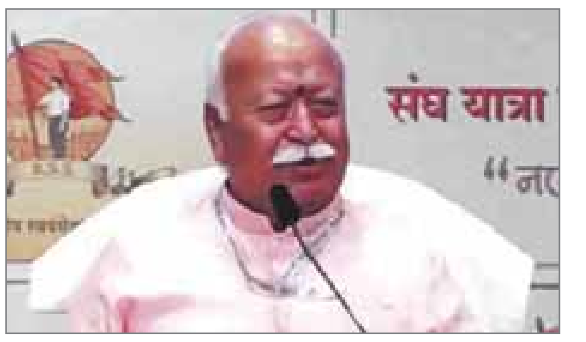

जो हिंदू है वही बनेगा। जो एससी/एसटी है वह भी सरसंघचालक बन सकता है और कुछ है तो भी बन सकता है। हमारे यहां इस तरह से कार्यकर्ता नियुक्त नहीं होते कि कौन किस जाति का है। जो काम करेगा वह होगा। संघ प्रमुख ने कहा, जब संघ की शुरुआत हुई थी तो यह छोटा था। एक छोटी सी बस्ती में संघ का काम शुरू हुआ और वह ब्राह्मण बस्ती थी। तो पहले संघ से सभी पदाधिकारी ब्राह्मण ही रहते थे। लोग कहते थे कि संघ ब्राह्मणों का ही है और आज भी कहते हैं क्योंकि लोग यही देखते हैं कि अपने कितने हैं लेकिन ऐसा नहीं है।

संघ का विस्तार हो चुका है

मोहन भागवत ने आगे कहा,अब संघ बढ़ गया है और हम जाति में विभाजित करके विस्तार नहीं करते। हम भौगौलिक क्षेत्र में बढ़ाते हैं। 10-10 हजार की बस्ती होती है, शहरों में और हर बस्ती में काम होना चाहिए। 10-10, 12-12 गांव का ग्रुप होता है मंडल में और हर मंडल में काम होना चाहिए। भौगौलिक रूप से बढ़ते हैं तो सभी बस्तियां संपर्क में आती हैं। सभी जाति के लोग आते हैं। आरएसएस चीफ ने कहा, आज आप देखेंगे कि अखिल भारतीय स्तर पर भी सिर्फ एक जाति के लोग नहीं हैं, सभी जातियों के लोग हैं। यह स्वाभाविक बात संघ में होती है। इसलिए, एससी-एसटी होने अयोग्यता नहीं और ब्राह्मण होना योग्यता नहीं।

अजित पवार की अस्थियां लेकर बेटा नंगे पैर संगम पहुंचा

प्रयागराज (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की अस्थियां रविवार को संगम में प्रवाहित की गईं। बेटे जय पवार ने संगम पर पूजा-पाठ की। फिर मंत्रोच्चारण के

बीच अस्थि विर्सजन किया। इस दौरान जय पवार भावुक नजर आए। वह पूरे कार्यक्रम के दौरान चुप रहे। किसी से बात नहीं की। यही नहीं, जब पत्रकारों ने जय से सवाल किए तो भी वह चुप रहे, कुछ भी नहीं कहा। पवार परिवार चार्टर्ड फ्लाइट से पुणे से प्रयागराज पहुंचा था। जय पिता की अस्थियां लेकर नंगे पैर एयरपोर्ट से बाहर आए। उनके हाथ में अस्थियों का बॉक्स था।

एमपी कांग्रेस का जिला अध्यक्षों को कमेटी गठन का निर्देश

कार्यकारिणी का आकार घटाने को कहा, संगठन मजबूत करने और बीजेपी की कमजोरियां जनता तक पहुंचाने पर जोर

भोपाल (नप्र)। एमपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी ने भोपाल संभाग के सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र की पंचायत और वार्ड कमेटियों का गठन 20 फरवरी तक पूरा कर संगठन को सौंपें। जिन जिलों ने अब तक मंडल की सूची नहीं भेजी है, उन्हें 5 दिन के भीतर तैयार करके संगठन को सौंपने के लिए कहा गया है।

जिला अध्यक्षों को यह भी कहा गया है कि उनकी कार्यकारिणी का आकार छोटा किया जाए। पहले जहां किसी जिले में कार्यकारिणी में 70 सदस्य थे, उन्हें 35 सदस्यों तक सीमित करने का निर्देश दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और प्रभारी ने स्पष्ट किया कि जिला कार्यकारिणी हर हाल में छोटी होनी चाहिए। भोपाल जिला के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की बैठक के दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ना और बीजेपी सरकार की कमजोरियों को जनता तक पहुंचाना है। उन्होंने शहर कांग्रेस अध्यक्ष को शहर की मंडल कमेटी का गठन जल्द करने के लिए भी निर्देश दिए।

बैठक आज इंदिरा भवन, भोपाल में आयोजित की गई। इसमें भोपाल जिले के जिला अध्यक्षगण और सभी ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को

मजबूत बनाना और ग्राम, वार्ड एवं पंचायत समितियों का गठन सुनिश्चित करना था। बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, एआईसीसी सचिव संजय दत्त, पूर्व विधायक रवि जोशी, भोपाल जिला अध्यक्ष (शहर) प्रवीण सक्सेना, भोपाल जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) अनोखी पटेल, विधानसभा प्रभारी एवं सभी ब्लॉक अध्यक्ष मौजूद रहे।

बैठक में संगठनात्मक रणनीति, आगामी योजनाओं और पंचायत एवं वार्ड कमेटियों के गठन पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे कांग्रेस प्रदेश संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावी तैयारियों में तेजी लाई जा सके।

कश्मीर पहुंचे आर्मी चीफ अग्रिम क्षेत्रों का किया दौरा

- पुंछ दौरे में सामने आए रिटायर सूबेदार परवेज अहमद तो लगा लिया गले, दिया सम्मान

जम्मू (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर पहुंचे। यहां उन्होंने पुंछ जिले के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और वहां तैनात सैनिकों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की,

साथ ही अग्रिम स्थानों पर तैनात कर्मियों से बातचीत की। उन्होंने सैनिकों के उच्च मनोबल और परिचालन तत्परता की सराहना की। इस दौरे के दौरान, सेना प्रमुख पुंछ के कमसर गांव में भी रुके, जहां उन्होंने 18 जम्मू- कश्मीर राइफल्स के सूबेदार (मानद कप्तान) परवेज अहमद (सेवानिवृत्त) से मुलाकात की। दोनों एक-दूसरे के गले मिले तो सब उन्हें देखकर हैरान हो गए। यह मुलाकात इसलिए ख़ास थी कि क्योंकि साल 2002 से 2005 के बीच जनरल उपेंद्र द्विवेदी बटालियन के कमांड कर रहे थे, तो सूबेदार परवेज़ अहमद उनकी यूनिट में तैनात थे।

बीजेपी में 'घर वापसी' की तैयारी में नवजोत सिद्धू!

- कांग्रेस से हटने के बाद नवजोत कौर ने राहुल को कहा 'पप्पू'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में पिछले दो महीनों से जारी अनिश्चितता और बयानबाजी के दौर का अंत आखिरकार एक बड़े धमाके के साथ हुआ है। पूर्व विधायक डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल ने शुक्रवार को इसकी औपचारिक घोषणा की। हालांकि, इस निष्कासन से पहले ही 31 जनवरी को नवजोत कौर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कांग्रेस आलाकमान के इस कड़े कदम ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी अब सिद्धू परिवार की बयानबाजी को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाए जाने के बाद डॉ. नवजोत

कौर सिद्धू के तेवर और भी तल्ख हो गए हैं। उन्होंने न केवल इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी, बल्कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने राहुल गांधी को 'पप्पू' कहकर संबोधित किया जो आमतौर पर विपक्षी खेमे द्वारा उनके उपहास के लिए इस्तेमाल किया जाता है। नवजोत कौर का यह बयान कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया है। विवाद की जड़ें पिछले साल दिसंबर में जमीं, जब नवजोत कौर ने कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा वही बनता है जो 500 करोड़ रुपये का सूटकेस देता है।

114 राफेल फाइटर जेट की डील पर होगी अहम बैठक

फ्रांसीसी राष्ट्रपति के दौरे से पहले रक्षा मंत्रालय का प्लान तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरवरी के तीसरे सप्ताह में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की यात्रा से पहले रक्षा मंत्रालय भारतीय वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए 3.25 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर चर्चा करने की संभावना है। भारतीय वायु सेना के इस प्रस्ताव को पिछले महीने रक्षा खरीद बोर्ड द्वारा प्रारंभिक स्वीकृति दी गई थी। रक्षा स्त्रोतों ने बताया कि यह प्रस्ताव अगले सप्ताह रक्षा मंत्रालय की उच्च स्तरीय बैठक में चर्चा के लिए उठाया जाएगा। इसे सौदे को वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर भारतीय वायु सेना की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्तमान में भारतीय वायु सेना केवल लगभग 30 लड़ाकू विमान स्क्वाड्रनों का संचालन कर रही है, जबकि इसकी स्वीकृत संख्या 42 स्क्वाड्रन है। पाकिस्तान और बांग्लादेश व पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ती साठगांठ के

साथ, खतरे की धारणा अब और बढ़ गई है। यह परियोजनासेना को लंबे समय तक एयरक्राफ्ट की आवश्यकता को पूरा करने में मदद की उम्मीद है।

114 में से 80 फीसदी लड़ाकू विमान भारत में बनेंगे

114 राफेल लड़ाकू विमानों में से लगभग 80 प्रतिशत को भारत में निर्मित करने की योजना है। स्त्रोतों ने बताया कि भारतीय वायु सेना को इस परियोजना के तहत 88 सिंगल-सीटर और 26 ट्विन-सीटर विमानों की प्राप्ति होगी, जिनमें से अधिकांश भारत में डासल्ट और भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियों के सहयोग से निर्मित किए जाएंगे। एक बार सौदा पूरा होने के बाद, भारतीय वायु सेना के पास 150 राफेल विमानों का बेड़ा होगा, जिसमें भारतीय नौसेना के 26 विमानों का भी समावेश होगा। इन विमानों को एयरक्राफ्ट कैरियर पर तैनात किया गया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति के 18 फरवरी को दिल्ली में एआई शिखर सम्मेलन के लिए उपस्थित रहने की उम्मीद है।

परिक्रमा

मध्य प्रदेश में लागू होगा पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट

अरुण पटेल

लेखक सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं

मध्य प्रदेश में अब पत्रकारों को मिलने वाली श्रद्धा निधि बढ़कर 30000 रुपए होने वाली है। इसके साथ ही पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट भी लागू होगा यह घोषणा मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने उज्जैन में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की प्रांतीय बैठक और संभाग सम्मेलन में की। इसमें उज्जैन प्रेस क्लब अध्यक्ष विधायक सहित कई जन प्रतिनिधि व संत भी शामिल हुए।

ग्वालियर हाई कोर्ट की एकल बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा है कि किसी भी कर्मचारी की दशकों तक सेवा लेने के बाद पेंशन और इसके लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता।

भारतीय जनता पार्टी को मध्य प्रदेश में जल्द ही नया संगठन महामंत्री से मिलने वाला है और इसके बाद ही आगे की नियुक्तियों पर मोहर लगेगी क्योंकि भाजपा में संगठन महामंत्री का दायित्व काफी महत्वपूर्ण होता है। यह बात संभाग प्रभारियों तथा प्रशिक्षण से जुड़ी बैठक में अजय जमवाल ने दिए। इस दौरान मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी उपस्थित रहे। भाजपा सूत्रों का दावा है कि यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कोई फैसला लिया है तो उसकी जानकारी

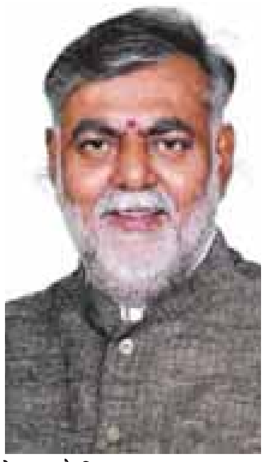

प्रतिनिधि सभा में मिलेगी। जिलों में भी जितने पद खाली हैं वे भी जल्दी भरे जा सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने 62 जिला प्रभारी घोषित कर दिए हैं जिनमें 6 महिलाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार अब ग्राम पंचायत स्तर तक सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग एसएसएमई का विस्तार करेगी। मध्य प्रदेश में अब बड़े शहरों और कस्बों के बाद इस योजना का दायरा गांव स्तर तक ले जाएगी। हालांकि ग्राम पंचायतें भी आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बना सकें इसके लिए पहले जिलों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयन का प्रयोग किया जाएगा ऐसी ग्राम पंचायत जल्द बनाईं जाएंगी जहां सड़क बिजली पानी और उद्योग के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो निवेशकों को जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। इंदौर के आसपास की ग्राम पंचायत में 308 उद्योग स्थापित हैं और उनमें 90.41 पूंजीगत निवेश हुआ है। और इसमें 1954 लोग रोजगार पा रहे हैं सरकार का मानना है कि क्षेत्र की व्यवस्था के संतुलित विकास के लिए इसे पंचायत स्तर तक पहुंचाया जाएगा।।

और यह भी नहीं

मध्य प्रदेश में कांग्रेस अपना आधार बढ़ाने के लिए अब सीधे जनता से भी संपर्क करेगी और उनसे भी पूछ रही है कि वह अगले विधानसभा चुनाव के लिए कैसा घोषणा पत्र बनाये इसके साथ ही आम लोगों से वह भावनात्मक रिश्ता बनाने के लिए भी उनके बीच सक्रिय हो रही है ।

ब्राउन शुगर सहित दो तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना हीरानगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी में लिप्त दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 13.30 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब दो लाख रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह और पुलिस उपायुक्त जोन-3 राजेश व्यास के मार्गदर्शन में की गई। शुक्रवार को गश्त के दौरान पुलिस टीम एमआर-10 रोड स्थित आदित्य गेटवे बिल्डिंग के पीछे नाले के पास पहुंची, जहां दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रोहन कदम (24) निवासी भाग्यलक्ष्मी कॉलोनी और गोपाल उर्फ दीपक अहिरवार (23) निवासी हीरानगर मेन रोड बताए। आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर नशे के नेटवर्क की जांच की जा रही है।

वेद मंत्रों के बीच प्राण प्रतिष्ठा, गूंजे जयकारे

इंदौर। श्री शेखावाटी सेन समाज पंचायत द्वारा मल्हारगंज स्थित श्री चारभुजानाथ मंदिर पर आयोजित तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य समापन श्रद्धा और भक्ति के माहौल में हुआ।

वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच श्री चारभुजानाथ, शिव परिवार, मां नारायणी और सेन महाराज सहित अन्य मूर्तियों की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। जैसे ही प्राण प्रतिष्ठा का विधान पूर्ण हुआ, 'जय चारभुजानाथ' के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। पंचायत अध्यक्ष अमरचंद सेन (वर्मा) एवं प्रवक्ता निलेश सेन (शैलू) ने बताया कि महोत्सव के दौरान पुष्पाधिवास, धूपाधिवास, 108 कलशों से जलाभिषेक, औषधि स्नान एवं शैयाधिवास जैसे सभी वैदिक अनुष्ठान आचार्य विद्वानों के सान्निध्य में संपन्न हुए। सुबह न्यास पूजन व हवन हुआ, जबकि दोपहर में प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान से की गई। इसके पश्चात हवन की पूर्णाहुति दी गई।

सिटी बस से यात्री गिरा, चोट लगने से मौत

इंदौर। सिटी बस की लापरवाही एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहा 45 वर्षीय यात्री चलती बस से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक राजकुमार पिता सुरेश, पप्पू और मां के साथ नेमावर रोड जा रहा था। तीनों रिंग रोड स्थित नोबल पब्लिक स्कूल से तीन इमली जाने के लिए सिटी बस में सवार हुए थे। बस पहले से खचाखच भरी थी। जैसे ही राजकुमार बस में चढ़ा, गेट पर खड़े कंडक्टर ने टिकट के पैसे मांगे। पैसे देते समय चालक ने अचानक बस तेज कर दी, जिससे राजकुमार का संतुलन बिगड़ गया और वह चलती बस से सिर के बल नीचे गिर पड़ा। सिर में गंभीर चोट लगने से वह बुरी तरह घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राजकुमार पेशे से मिस्त्री था और उसके दो बेटे व एक बेटी हैं।

पानी को लेकर भागीरथपुरा में प्रदर्शन

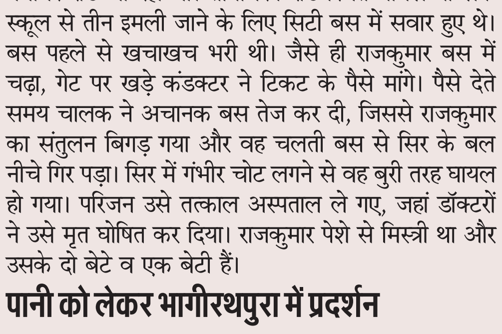

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में जल संकट को लेकर शनिवार सुबह रहवासियों का आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भागीरथपुरा स्थित पानी की टंकी के पास एकत्रित हुए और नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। नई बस्ती भागीरथपुरा के रहवासियों का आरोप है कि पानी सप्लाई के लिए लगाए गए वॉल्व के कारण घरों में पानी का प्रेशर काफी कम हो गया है। साथ ही शुरुआती समय में आने वाला पानी भी गंदा आ रहा है। रहवासियों ने बताया कि पहले सरकारी बोरिंग के माध्यम से जो पाइप लाइन बिछाई गई थी, उसके कई कनेक्शन काट दिए गए हैं। वहीं नई लाइन डालने के बाद टैंकरों की सप्लाई भी बंद कर दी गई है,जिससे क्षेत्र में पेयजल संकट गहरा गया है। समस्या के समाधान की मांग को लेकर रहवासी एकजुट होकर टंकी पर पहुंचे और जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की।

स्कूलों का बदला समय पूर्ववत

इंदौर। शीतलहर एवं तापमान में आई गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा जिले मेंसंचालित विद्यालयों (कक्षा नर्सरी से 8वीं तक) एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन समय में परिवर्तन संबंधी 7 जनवरी को जारी आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। उक्त आदेश निरस्त होने के पश्चात विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र पूर्व निर्धारित समय अनुसार संचालित होंगे।

टीचर्स के मीम्स बनाने पर छात्र को स्कूल से निकाला, सुप्रीम कोर्ट ने जवाब मांगा

आईसीएसई बोर्ड, राज्य सरकार से 13 फरवरी तक पक्ष रखने को कहा

इंदौर। एक स्कूल से निकाले गए 14 साल के छात्र को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से उम्मीद जागी है। इस छात्र ने इंस्टाग्राम पर शिक्षकों के मीम्स साझा किए थे, इसलिए उसे स्कूल से निष्कासित कर दिया गया था। इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बच्चे की शिक्षा किसी भी कीमत पर बाधित नहीं होनी चाहिए। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस उज्जवल भुयान की बेंच ने मध्य प्रदेश सरकार, आईसीएसई बोर्ड और स्कूल प्रबंधन सहित सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर 13 फरवरी तक जवाब मांगा है। कोर्ट की दो टूक टिप्पणी है कि अनुशासन जरूरी, लेकिन भविष्य दांव पर नहीं लगना चाहिए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यह मामला केवल स्कूल के अनुशासन तक सीमित नहीं, बल्कि एक बच्चे के शैक्षणिक भविष्य से जुड़ा है। अदालत ने प्रशासन से पूछा है कि छात्र को बोर्ड परीक्षा में शामिल कराने के लिए क्या व्यावहारिक रास्ता निकाला जा सकता है? कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी संबंधित अथॉरिटी अपने जवाब में यह स्पष्ट करें कि छात्र की शिक्षा

जारी रखने के लिए किस संस्था की क्या जिम्मेदारी होगी।

यह मामला, जिस पर कार्रवाई – यह विवाद इंदौर के लिटिल वंडर कॉन्वेंट स्कूल का है। आरोप है कि 9वीं कक्षा के एक छात्र ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर इंस्टाग्राम पर एक प्राइवेट अकाउंट बनाया और वहां शिक्षकों से जुड़े कुछ आपत्तिजनक मीम्स शेयर किए। स्कूल प्रबंधन को जब इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने इसे घोर अनुशासनहीनता मानते हुए छात्र को स्कूल से निष्कासित कर दिया। इंदौर हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद छात्र के परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

बच्चे पर 'आपराधिक मंशा' नहीं – याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट निपुण सक्सेना ने कोर्ट में दलील दी कि स्कूल की कार्रवाई पूरी तरह से असंगत है। उन्होंने कहा कि कथित गलती के बदले स्कूल से निकाल देना बहुत बड़ी सजा है। 13-14 साल के बच्चे में किसी को अपमानित करने की आपराधिक मंशा नहीं खोजी जा सकती। अगर ऐसे निष्कासन को सही माना गया, तो स्कूलों को बच्चों के मोबाइल और उनकी प्राइवेट डिजिटल लाइफ पर असीमित निगरानी का अधिकार मिल जाएगा, जो उनकी निजता का उल्लंघन है।

क्या कहा था हाईकोर्ट ने – इससे पहले इंदौर हाईकोर्ट ने छात्र को राहत देने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट का तर्क था कि समाज में एक सख्त संदेश जाना चाहिए ताकि छात्र इस तरह की गतिविधियों से दूर रहें। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अब इस सख्त संदेश और शिक्षा के अधिकार के बीच संतुलन बनाने की पहल की है। अब 13 फरवरी को होने वाली अगली सुनवाई बेहद अहम होगी। कोर्ट ये तय कर सकता है कि छात्र उसी स्कूल से परीक्षा देगा या बोर्ड उसे किसी अन्य सेंटर से परीक्षा में बैठने की विशेष अनुमति देगा।

दिनेश के हंगामे ने असर दिखाया सीएम ने उसके तीनों काम कराए

उसकी मां के इलाज की व्यवस्था, पेंशन चालू, नाम भी जुड़ेगा

इंदौर। मंगलवार को हुई जनसुनवाई में दिनेश प्रजापत ने अपने तीन काम न होने पर कलेक्ट्रेट में जमकर हंगामा किया था। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ। उनके इस हंगामे ने इतना असर दिखाया कि खुद मुख्यमंत्री ने दिनेश प्रजापत के तीनों काम कराए जाने की जानकारी दी। इस परेशान आवेदक के सभी काम मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खुद संज्ञान लेते हुए करा दिए। दिनेश प्रजापत का जो वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे अपनी मां के साथ कलेक्टर ऑफिस में मौजूद नजर आ रहे थे। वे नाराज होकर चिल्लाते दिख रहे थे कि तुम काहे के कलेक्टर हो, जब काम नहीं करा सकते। वायरल वीडियो में गुस्साए दिनेश ने ये भी बताया था कि उनकी मां आंखों से देख नहीं सकती। फिर भी उन लोगों को बार-बार चक्कर लगवाए जा रहे हैं।

पेंशन, इलाज, एसआईआर काम – मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया 'इंदौर में हुए इस प्रकरण को संज्ञान लेते हुए दिनेश प्रजापत और उनकी माता रामप्यारी बाई की समस्या का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया गया। परिस्थितियों को देखते हुए तत्काल केवायसी कर पेंशन प्रक्रिया शुरू कराई गई और अरविंदो अस्पताल में उपचार की व्यवस्था की गई।' परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ ही बीएलओ की तरफ से मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया की जा रही है।

मां का इलाज शुरू हुआ – मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपलोड किया है, जिसमें दिनेश प्रजापत खुद कहते दिख रहे हैं कि मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं। वे मेरी माता का पूरा इलाज करवा रहे हैं। साथ ही, साल भर से जो पेंशन रुकी हुई थी वो भी मेरी मां को दिलवा दी है। मेरी मां की पेंशन भी चालू हो गई।

लोगों ने दिए ऐसे रिएक्शन– इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा कि जनता की जागरूकता और सोशल मीडिया की ताकत बहुत असर डालती है। अगर जनहित की समस्याओं को सही तरह से उजागर किया जाए तो प्रशासन अवश्य सक्रिय होगा। एक अन्य यूजर ने कॉमेंट किया कि असली नेता वही है जो जरूरत पड़ने पर काम आए। बाकी नेताओं को भी आपसे सीखना चाहिए।

बिना हेलमेट के वाहन चलाना महंगा पड़ा, 1673 चालान से सख्त संदेश

शनिवार को विशेष अभियान चलाया, नियम तोड़ने पर कार्रवाई

इंदौर। शहर की सड़कों को सुरक्षित, सुगम और अनुशासित बनाने के लिए इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें नियम तोड़ने वालों पर जमकर कार्रवाई की गई। सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोट से होने वाली मौतों पर अंकुश लगाने और नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह अभियान शहर के प्रमुख चौराहों पलासिया, विजयनगर, महूनाका, चाणक्यपुरी, राजीव गांधी सर्कल सहित अन्य क्षेत्रों में चलाया गया। अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने चालानी कार्रवाई के साथ-साथ अनाउंसमेंट के माध्यम से हेलमेट की अनिवार्यता और उसके लाभ भी बताए। एक ही दिन में 1673 दोपहिया वाहन चालकों पर बिना हेलमेट वाहन चलाने पर चालान काटे गए। ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे स्वयं व अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनें और यातायात नियमों का पालन करें, क्योंकि सड़क पर सुरक्षा ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस तरहचालानी कार्रवाई लगातार की जा रही है। शुरू में पुलिस ने लम्बे समय तक समझाइश का दौर चलाया, कई चौराहों पर दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट के बारे में जागरूक किया। इसके बाद अब पुलिस ने चालानी कार्रवाई शुरू की है। इसके बावजूद अभी भी लोग हेलमेट लगाने के प्रति सजग नहीं हैं।

शहर के 138 केंद्रों पर मप्र बोर्ड की 12वीं और 10वीं बोर्ड परीक्षा

इंदौर। एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को लेकर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग एक्शन मोड में है। जिले के 138 परीक्षा केंद्रों पर सामग्री पहुंचाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। इस बार सुरक्षा इतनी कड़ी है कि प्रश्न-पत्रों को सीधे थानों में जमा कराया जा रहा है, जहां से वे परीक्षा के दिन सीधे केंद्रों पर पहुंचेंगे। बोर्ड ने परीक्षाओं के बीच में ही कुछ विषयों के टाइम टेबल में संशोधन किया है। छात्रों के लिए यह जानना जरूरी है कि 10वीं हिंदी अब फरवरी के बजाय मार्च में होगी। एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को लेकर इंदौर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग एक्शन मोड में है। जिले के 138 परीक्षा केंद्रों पर सामग्री पहुंचाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। इस बार सुरक्षा इतनी कड़ी है कि प्रश्न-पत्रों को सीधे थानों में जमा कराया जा रहा है, जहां से वे परीक्षा के दिन सीधे केंद्रों पर पहुंचेंगे।

शहर के मास्टर प्लान की 23 सड़कों का निर्माण समय पर पूरा किया जाए

समीक्षा बैठक में मंत्री, महापौर ने अधिकारियों से समन्वय को कहा

इंदौर। मास्टर प्लान की 23 सड़कों के निर्माण कामों की शनिवार को सिटी बस ऑफिस में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने समीक्षा की है। इसमें शहर में 4 पैकेज के माध्यम से प्रस्तावित मास्टर प्लान सड़कों को बनाने की प्रोग्रेस, टाइम लाइन में काम, तकनीकी दिक्कतों और आवश्यक समन्वय पर बात हुई। मंत्री विजयवर्गीय और महापौर भार्गव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मास्टर प्लान की सड़कें समय सीमा में पूरी की जाए। उन्होंने रोड बनाने में आ रही दिक्कतों, खासकर रास्ते में आने वाले पेड़ों को स्थानांतरण, आवासीय और व्यावसायिक निर्माण और सेंट्रल लाइनिंग व नर्मदा, सीवरेज लाइनों के समुचित समन्वय पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा शहर की मास्टर प्लान की रोड न केवल यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करेंगी, बल्कि शहर के समग्र विकास को नई दिशा भी देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करते हुए निर्माण कामों को गति दे।

इन प्रमुख रोड पर चर्चा– टीसीएस से एमआर-5 लिंक रोड, एमआर-10 से एमआर-12 को जोड़ने वाली लिंक रोड, मच्छी बाजार चौराहे से चंद्रभागा पुल तक, जिंसी चौराहे से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक, नेमिनाथ चौराहे से जिंसी चौराहे तक, सुभाष मार्ग गोल मंदिर से रामबाग पुल तक, सांवेर रोड पेट्रोल पंप से शिव शक्ति नगर हनुमान मंदिर तक, एयरपोर्ट रोड से एमआर-5 को जोड़ने वाली लिंक रोड, एमआर-5 बड़ा बांगड़दा से पीएमएवाय मल्टी तक, भमोरी चौराहे से एमआर-10 तक राजशाही गार्डन से होटल वॉव तक, भागीरथपुरा मुख्य मार्ग, एडवांस एकेडमी से रिंग रोड तक, एमआर-9 से मालवीय नगर गली नंबर-2 होते हुए एलआईजी लिंक रोड, वीर सावरकर प्रतिमा से अटल द्वार तक, नेहरू प्रतिमा (मधुमिलन चौराहा) से छावनी पुल तक, एबी रोड जीपीओ चौराहे से सरवटे बस स्टैंड तक, जमजम चौराहे से स्टार चौराहे तक, मुसाखेड़ी चौराहे से सांवरिया धाम मंदिर तक, किला मैदान रोड गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार तक, कंडिलपुरा रोड सुभाष मार्ग से इंदौर वायर चौराहे तक, रिंग रोड खजराना मंदिर द्वार से जमजम चौराहे तक, इंदौर बायपास होटल प्राइड से सिटी फॉरेस्ट तक, आरई-2 जीआरपी लाइन भूरी टेकरी से आरटीओ नायता मुंडला तक।

कार्यों में लापरवाही नहीं बरते – अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इंदौर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए मास्टर प्लान सड़कों के निर्माण कामों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जाए। बैठक में विधायक रमेश मेंदोला, विधायक महेंद्र हार्डिया, निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री नरेश जायसवाल, पीएस कुशवाह, उपयंत्री पराग अग्रवाल सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

रूसी तेल खरीद: संदेह कायम

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यूएसए भारत ट्रेड डील के बारे में कुछ खुलासा किया और दावा किया कि इस समझौते में हमने भारतीय किसानों के हितों को संरक्षित रखा है। हालांकि विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह भारत अमेरिका के बीच ट्रेड डील न होकर अमेरिकी दबाव में किया गया समझौता है, जिससे भारतीय कृषि एवं डेयरी उद्योग बुरी तरह प्रभावित होगा। मंत्री पीयूष गोयल यूं तो तमाम उत्पादों की सूची जारी करते हुए कहा कि किस पर कितना टैरिफ लगेगा, लेकिन इस बात को वो भी छुपा गए कि भारत आगे भी रूस से तेल खरीद जारी रखेगा या नहीं? इस अहम सवाल के जवाब में मंत्री गोयल ने सिर्फ इतना कहा कि इसका जवाब विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर देंगे। उधर जयशंकर ने हाल में कहा था कि भारत अमेरिका ट्रेड डील के बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है, इस मामले को पीयूष गोयल देख रहे हैं। उससे भी पहले रूस ने कहा था कि उनसे तेल खरीद बंद करने के बारे में उन्हें भारत से अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। इसका सीधा मतलब है या तो सरकार इस बारे में पत्ते खोलना नहीं चाहती ताकि ज्यादा बवाल न हो या फिर यह तय हुआ है कि रूस से तेल खरीद भारत धीरे-धीरे बंद करेगा। लेकिन यदि ऐसा होगा तो भी क्या वो अमेरिका की निगाह से बच सकता है? अमेरिका ने भी भारत द्वारा रूस से तेल खरीद की निगरानी के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की है। यानी मामला अभी उलझा हुआ है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि अमेरिका के साथ भारत की जो अंतरिम ट्रेड डील हुई है, उसमें यह अहम शर्त यह भी है कि भारत रूस या रूसी संघ से तेल नहीं खरीदेगा। इसी शर्त पर अमेरिका ने भारत के खिलाफ़ लगाए गए 50 फ़ीसदी टैरिफ़ को घटाकर 18 फ़ीसदी किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह दावा भी किया कि भारत अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामान खरीदने, वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू करने और अमेरिकी आयात पर टैरिफ़ शून्य करने पर सहमत हो गया है। बहरहाल इस ट्रेड डील पर अभी अंतिम रूप से हस्ताक्षर होने हैं। लेकिन केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका से आयात होने वाले सामानों की जो सूची दी है, उनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, सूखे मेवे (ट्री नट्स) ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल वाइन और शराब, कई अन्य कृषि उत्पाद शामिल हैं। जबकि भारत ऊर्जा उत्पाद, विमान और उनके पुर्जे, कीमती धातुएं, तकनीकी उत्पाद, कोकिंग कोल खरीदेगा। साथ ही भारत भारत अमेरिका के मेडिकल डिवाइस, सूचना और संचार टेक्नोलॉजी (आईसीटी) उत्पादों और कृषि उत्पादों से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे गैर-टैरिफ़ अवरोधों को दूर करेगा। अमेरिका भारत से आयातित जिन वस्तुओं पर 18 फीसदी टैरिफ लगाएगा, वो हैं कपड़ा और एपारेल, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबड़ प्रोडक्ट, बायोकेमिकल, होम डेकोर और हैंडीक्राफ्ट तथा कुछ मशीनरी प्रोडक्ट। हालांकि अंतरिम समझौते के सफल रूप से पूरा होने पर अमेरिका कई भारतीय उत्पादों पर यह टैरिफ हटा देगा। दोनों देश डिजिटल व्यापार में भेदभावपूर्ण नियमों को खत्म करने और मजबूत और पारदर्शी डिजिटल व्यापार नियम बनाने पर सहमत हुए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, नरेंद्र मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था, किसानों और हमारे हितों को गिरवी रख दिया है। अभी तक अमेरिका से भारत का व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में था। लेकिन इस डील के बाद अमेरिका को ज्यादा फायदा होगा। दरअसल ट्रेड डील के भीतरी पर्तें धीरे-धीरे खुल रही हैं। हकीकत सामने आने के बाद ही कोई टिप्पणी उचित होगी।

एपस्टीन फाइल और हैवानियत की दुनिया

नजरिया

डॉ. संजीव कुमार

लेखक सामाजिक एवं राजनीतिक विशेषज्ञ हैं।

मांस, मदिरा, महिला और मुद्रा के इर्द गिर्द ही मर्दों का जीवन घूमता नज़र आता हैं. महिला इसमें सबसे बड़ी वस्तु हैं, जैफ्री एपस्टीन ने यह साबित कर दिया है.एपस्टिन की फाइल में अभी और कितने राज खुलने हैं मालूम नहीं, अमेरिकी समाचार सूत्रों से प्राप्त हो रहा है कि उससे हासिल 35 लाख फाइलों में से अभी सिर्फ 5 लाख फाइलों को ही सार्वजनिक किया गया है. जिससे कि पूरे विश्व में एक हलचल मची हुई है. अभी इन फाइलों के जरिए जिन बड़े-बड़े लोगों के नाम सामने आ रहे हैं उनमें में जो सबसे बड़ा नाम है वह है वर्तमान में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, दुनिया भर में कंप्यूटर का साम्राज्य फैलाने वाले बिल गेट्स, अपने कला से दुनिया को दीवाना बनाने वाले माइकल जैक्सन, अमेरिका के कई जाने-माने राष्ट्रपति, इजराइल के पूर्व राष्ट्रपति,प्रिंस एंड्रयु,मनो वैज्ञानिक नओम चोमस्की, अरब देशों के सुल्तान और व्यापारी, मशहूर फिल्मकार मीरा नायर तथा दुनिया भर के नामचिन व्यापारी, अभिनेता, राजनेता इत्यादि.ये वो लोग है जो विश्व की राजनीति,सत्ता,अर्थव्यवस्था तय करते है.

एपस्टीन ने लगभग 20 साल तक दुनिया के जाने-माने लोगों के ऐयाशी की व्यवस्था की और संसार का सबसे बड़ा 'हैवान' बन कर दुनिया को हिला दिया। एक साधारण परिवार से आने वाले जेफरी एपस्टीन ने अमेरिका के पास एक आइलैंड ख़रीदा जिसका नाम लिटिल सेंट जेम्स है। इस आइलैंड पर उसने दुनिया के ताक़तवरों को एक साथ लाने और व्यवस्था तय करने के लिए बना रखा था. जहाँ इनके ऐसो-आराम के लिए छोटी बच्चियां परोसी जाती थीं. इस आईलैंड पर वह लोगों को अपने निजी विमान से ले जाता था जिसका नाम लोलिता एक्सप्रेस रखा गया था. इस आईलैंड पर लड़की और महिलाओं को ले जाने का कार्य उसकी पार्टनर और गर्लफ्रेंड गिस्लेन मैक्सवेल करती थी. जो अभी उम्र कैद की सजा काट रही है. मैक्सवेल के पिता दुनिया के सबसे खतरनाक जासूसी संस्था 'मोसाद' के जासूस थे. इस फाइल को इस कड़ी से भी जोड़कर देखा जा रहा है. इन दोनों के इस घृणित कार्य का पता दुनिया को तब चला जब वर्जीनिया गेउफ्रे ने अपनी किताब नो बॉडी गर्ल्स के माध्यम से इनका खुलासा किया था जो स्वयं एपस्टीन का शिकार हो चुकी थी. इन्होंने मी टू आंदोलन से 2019 में सबका ध्यान खिंचा था. जिसके बाद एपस्टीन को गिरफ्तार किया गया और जहां जेल में ही उसके आत्महत्या करने का पता चला. वही 2025 में ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के 3 महीने पश्चात् गेउफ्रे की भी संदिग्ध रूप से मौत हो गई.

एपस्टीन हैवान बन चुके इन रईसों के शौक पूरे करने के लिए 8 से लेकर 14 साल तक की छोटी-छोटी बच्चियों को इन बूढ़ों के हवाले परोसता था. न जाने इन बच्चियों के गोश्त की कीमत पर दुनिया के कैसे-कैसे फैसले किए गए, इसका जवाब तो आने वाला कल ही बता पाएगा. समुद्र के बीचो-बीच कुछ एकड़ में फैले हुए इस भूमि पर अरबों रुपए से बने 'हैवानों' की सेवा के लिए ही यह विलासिता का भवन बनाया गया था. यहां पर देश और दुनिया से बहला - फुसलाकार,किडनैप कर इन छोटी-छोटी बच्चियों को ले जाया जाता था. इन बच्चियों के साथ यह बुड्ढे निर्वस्त्र होकर हफ्तों तक हैवानियत का खेल खेलते थे. अपनी बूढ़ी हड्डियों को नशे में धुत करके ये बुड्ढे इन फूल जैसी मासूम बच्चियों के गोश्त को नोचते थे. यह छोटी बच्चियां ना यहां से भाग सकती थीं न हीं इनका यहां से कोई चीख सुनने वाला होता था. कल्पना करके देखिए इन छोटी बच्चियों पर क्या बीतती होगी. इनका जिस्म नोंचने वाले ऐसे- ऐसे लोग थे जिन्हें पूरी दुनिया में आदर और अदब के लिए जाना जाता है. पर इन लोगों ने ऐसे कुकर्म करने से पहले एक बार भी नहीं सोचा, और भला सोचते भी क्यों क्योंकि वह ये जानते थे कि वह जो बोलते हैं,जो कहते हैं, जो करते हैं वहीं इस संसार का नियम होता है. वें ही इस संसार के ईश्वर है. अभी कुछ दिन पहले लल्लनटॉप पर एक बहस हुई थी जिसका विषय था 'क्या गॉड है?' मैं समझता हूँ उसका सबसे बेहतर जवाब है यह फाइल. सच कहूं तो ऐसे ही घटनाओं से मेरे नास्तिक होने की प्रबलता और बढ़ जाती है.

नब्बे के दशक में जापान में 44 दिन के नर्क की घटना को आपको एक बार जरुर पढ़ना चाहिए , भारत में फूलन देवी का सामूहिक बलात्कार भी उसी प्रकार की एक घटना है, इसके अलावा आज तो विश्व और भारत में हर दिन औरतों-बच्चियों के साथ ऐसे हादसे देखने को मिलती रही है मसलन अजमेर सेक्स स्कैण्डल, खैरलाँजी हत्याकांड, और 2025 में प्रज्वल रेवन्ना के हजारों सेक्स वीडियो,ये औरतों के साथ होने वाली ऐसी क्रूरता की घटनाएं हैं जिनसे साधारण मनुष्य का ह्रदय कांप जाए. अभी पिछले साल ही निठारी हत्याकांड का निर्णय आया था जिसमें प्रमुख दोषियों को निर्दोष करार दें कर बरी कर दिया गया है.

आप सबको याद होगा 2004-5 में नोएडा के निठारी बंगले के पास एक नाले में दर्जनों लड़कियों और बच्चों के नर कंकाल मिले थे. इस मामले ने देश भर में सुर्खियां हासिल की थी. घटना का जिस तरह से जिक्र देखने को मिल रहा था लोगों के कलेजे काँप जा रहे थे. और आज 20 साल बाद जब उसका निर्णय हुआ तो उस घटना का कोई अपराधी हमारे सामने नहीं मिला. फिर सवाल यह आता है कि आखिर उन लड़कियों का अपराधी कौन है? आज दिल्ली में प्रतिदिन 54 लड़कियां और बच्चे गायब हो रहे हैं? मध्य प्रदेश में लड़कियों के गायब होने पर बीबीसी ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसके अनुसार प्रतिदिन यहाँ से 43 बच्चे और महिलाए गायब हो रही है. आज देश भर में हर साल लगभग बासठ हजार लड़कियां गायब होती जा रही हैं. आखिर यह लड़कियां और बच्चियां जा कहां रही है ? इस अपराध के पीछे कौन है? और सबसे बड़ा सवाल कि हमारी पूरा तंत्र इतने बड़े अपराध को कैसे खामोशी से देख रही है?

महिलाएं और लड़कियां हमेशा से ही दुनिया में शिकार होती रही है. राजतंत्र व्यवस्था में जब एक राजा दूसरे राज्य पर आधिपत्य प्राप्त करता था तब वहां जो जिंदगी सबसे दूभर होती थी वह लड़कियों की ही होती थी. कबीलाई समाज में भी लड़कियां और महिलाएं खरीदी और बेची जाती थी. और अब सभ्य समाज कहे जाने वाले लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस लोकतांत्रिक व्यवस्था को चलाने वाले हैवान 'बच्चियों और महिलाओं के साथ इस तरह की क्रूरता खुलेआम कर रहे हैं और हमारा सभ्य समाज उनका कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा. आज जब देश में किसी महिला के साथ बलात्कार होता है तब पूरे शहर को महीनों जाम करना पड़ता है. तोड़फोड़ की जाती है तब जाकर उस अपराधी को गिरफ्तार किया जाता है. आखिर महिलाओं के सम्मान के लिए हमारी व्यवस्था इतनी निष्ठुर कैसे हैं?

एपस्टीन फाइल अभी दुनिया के और भी राज खोलने वाले हैं. पर जैसे-जैसे इसकी परत खुलती जा रही है. रुह को कपा देने वाले वीडियो और सूचनाए देखने को मिल रही हैं. पूरी दुनिया में इस पर हर घंटे लिखे और पढ़े जा रहें हैं. आखिर किस प्रकार इस दुनिया को नियंत्रित करने वाले यह लोग एक आईलैंड पर इकट्ठा होते थे और बच्चियों को नोंचते थे. कुछ वीडियो तो ऐसे भी आ रहे हैं जिनके हवाले से बताया जा रहा है कि ये हैवान इन बच्चियों का मांस तक खाते थे. अब हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने सवाल यह है कि वे लोग जो इस फाइल से जुड़े हुए हैं जो अब इस धरती पर नहीं है और वे लोग जो अभी भी सत्ता तथा साम्राज्य पर बने हुए हैं उनके साथ हमें क्या सलूक करना चाहिए?

क्या हमारी लोकतांत्रिक दुनिया में यह ताकत है की इन हैवान मनुष्यों को उनके कुकर्मों के अनुसार सजा दें सके? और इन लोगों के द्वारा जो देश तथा दुनिया के संदर्भ में नियम बनाए गए, प्रयोग हुए, खोजे हुई तथा फैसले हुए उनका खुलासा हो पाएगा, और यदि इनका खुलासा हो पाएगा तो उससे संबंधित लोगों को किस प्रकार से सजा दी जाएगी? क्योंकि इसी प्रकार जूलियन असांजे ने भी अपनी फाइलों के जरिए एक दशक पहले दुनिया हिला दी थी. और बाद में दुनिया को चलाने वाले लोगों ने उस फाइल को ही फर्जी घोषित कर दिया और असांजे को जेल की सजा दें दी गई. जाहिर है इन बड़ी-बड़ी फाइलों और सुर्खियों से कुछ महीने इन ताकतवर लोगों को हम थोड़ा कमजोर भले कर दें पर सच्चाई यही है कि हम इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते. आज एक साधारण मनुष्य इन लोगों के लिए इनके प्लेट में सजने वाले चिकन से ज्यादा कुछ नहीं हैं.

देश में 'भारत टैक्सी' का भविष्य : कुछ जरूरी सवाल

मुद्दा

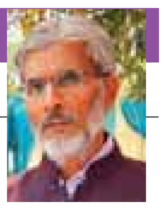

गौरव अवस्थी

लेखक स्तंभकार हैं।

दिल्ली एनसीआर और गुजरात में 2 महीने के सफल ट्रायल के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने सहकारिता क्षेत्र की 8 बड़ी संस्थाओं के संयुक्त उपक्रम के रूप में सहकारिता आधारित टैक्सी सर्विस 'भारत टैक्सी' को आधिकारिक रूप से कल नई दिल्ली में लॉन्च कर दिया। 2 साल में इस सेवा को पूरे देश में लागू करने का भी ऐलान हुआ है।

भारत टैक्सी बहु-राज्य सहकारी समितियां अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजीकृत भारत का पहला सहकारिता-नेतृत्व वाला राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है। इसकी स्थापना 6 जून 2025 को की गई। दावा है कि अपनी स्थापना के बाद से भारत टैक्सी दुनिया का पहला और सबसे बड़ा सहकारिता-आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म तथा विश्व का सबसे बड़ा ड्राइवर-स्वामित्व वाला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। अब तक लगभग चार लाख ड्राइवर भारत टैक्सी प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं और दस लाख से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं। लगभग रू. 10 करोड़ की राशि अब तक सीधे ड्राइवरों में वितरित की जा चुकी है।

सहकारिता क्षेत्र की संस्थाओं का सर्विस सेक्टर में उतरना एक स्वागत योग्य कदम माना जाना चाहिए लेकिन 'सरकारी दखल' और 'सरकारी बैसाखी' सहकारिता आधारित इस सेवा को भी कहीं अन्य सेवाओं की तरह प्रभावित न करे, इसके पुख्ता प्रबंध प्रारंभिक फेस से ही सुनिश्चित किए जाने जरूरी हैं। यह बात इसलिए कि भारत टैक्सी सेवा को ओला, उबर एवं रैपीडो जैसी प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों टक्कर लेनी है और बेहतर सेवा देते हुए उपभोक्ता का भरोसा भी अर्जित करना है।

निजी क्षेत्र की कंपनियां जब सेवा या किसी भी क्षेत्र में अपनी सेवा या उत्पाद लेकर उतरती हैं तो एक मजबूत नेटवर्क का निर्माण अपनी लुभावनी योजनाओं के माध्यम से करती हैं। जैसे, राइड सर्विस को ही लें तो (जैसा-एक कैब ओनर ने बताया) ओला ने भारत में अपनी लॉन्चिंग के प्रारंभिक चरण में कैब मालिकों को 1 दिन में पांच राइड पर रू. 1500 का अतिरिक्त बोनस देना शुरू किया। इस लालच में कैब

मालिक ऑनलाइन राइड सर्विस से जुड़ते चले गए और भारत भर में इस सेवा का विस्तार होता चला गया। आज तो छोटे शहरों में भी बाइक राइड सर्विस मिलने लगी हैं। हालांकि अब बोनस बंद और कमीशन भी 15-20 प्रतिशत लेकिन राइड बढ़ीं हैं। रेट कंपटीशन का असर कैबवालों की इनकम पर पड़ा है।

निजी क्षेत्र की कंपनियों की बढ़ती उपलब्धियों को देखते हुए ही पीएम मोदी के 'सहकार से समृद्धि' मंत्र को आत्मसात करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस क्षेत्र में 'सहकारी सेवा' शुरू कराई है। इसे एक अच्छा कदम माना जाना चाहिए लेकिन सरकार को 'बैसाखी' के बजाय सहकारी संस्थाओं को अपने दम पर इस सेवा को स्थापित करने का अवसर देना चाहिए। यह बात इसलिए कि बैसाखी चलने की हिम्मत तो देती है लेकिन 'सहारे' की गलत आदत भी डेवलप कर सकती है। ट्रायल पीरियड में ही भारत टैक्सी को बैसाखी थमा देने को किस रूप में देखा जाए, आप ही तय करें। उदाहरण के लिए यहां एक 'ग्राहक' के रूप में अपनी आपबीती बतानी जरूरी है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डा है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से हजारों लोगों की रोज आवाजाही होती है। भारत टैक्सी सर्विस को सफल बनाने के लिए सरकार ने जानबूझकर आईजीआई एयरपोर्ट पर ओला-उबर-रैपीडो के पिकअप पॉइंट कुछ दूर बनवा दिए ताकि ग्राहक भारत टैक्सी राइड लेने को मजबूर हो। ट्रायल के दौरान ही भारत के इस सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डे पर सरकार की तरफ से बैसाखी के रूप में एयरपोर्ट के बाहर टैक्सी की सुविधा दिल्ली पुलिस से लेकर भारत टैक्सी को दे दी गई। इसके पीछे शायद सोच यही होगी कि पिकअप पॉइंट दूर होगा तो मजबूर होकर लोग भारत टैक्सी का सहारा लेंगे और ऐसा हो भी रहा। आमतौर पर ऑनलाइन राइड बुक करने के अधिकतम पांच मिनट में टैक्सी पिकअप पॉइंट पर पहुंच जाती थी लेकिन भारत टैक्सी सर्विस लॉन्च होने के बाद ऐसा नहीं है। एयरपोर्ट के बाहर अब ओला, उबर और रैपीडो की बुकिंग पर टैक्सी में औसत 20 से 25 मिनट लग रहे हैं। कभी-कभी तो जाम की समस्या बता कर निजी कंपनियां ग्राहक को तीन-चार सौ मीटर आगे धौलाकुआं चौराहे तक सामान लेकर आने को कहती हैं। अब आप समझ सकते हैं कि लगेज के साथ कौन पैदल इतनी दूर जाएगा?

मेरी समझ में ऐसा सिर्फ इसलिए कि उपभोक्ता मजबूर होकर भारत टैक्सी बुक कराए। उपभोक्ता को ट्रायल पीरियड में ही मजबूर करना कहीं से भी सही नहीं माना जा सकता। यह इसका एक पहलू है। दूसरा पहलू भी काबिले गौर है। अभी हाल में ही एयरपोर्ट से गुरुग्राम के लिए उबर ऐप पर टैक्सी बुक करने के दौरान 650 रुपए किराया शो कर रहा था लेकिन भारत टैक्सी ने उसी डेस्टिनेशन का रू. 900 चार्ज किया। खेल इसी बढ़े हुए किराए का है। मौज सहकारिता की और भरण उपभोक्ता-सारथी दोनों का। नई दिल्ली में लांचिंग के दौरान यह दावा किया गया कि सारथी से मालिक से कमीशन नहीं कटेगा लेकिन हकीकत यह नहीं है। एयरपोर्ट से होने वाली हर बुकिंग पर कैब मालिक को 10त्न कमिशन काटकर ही भुगतान मिलना है और एयरपोर्ट का पार्किंग शुल्क उपभोक्ता की जेब से जाना है। यह बात भारत टैक्सी सर्विस देने वाले ड्राइवर ने हमसे खुद साझा की। एमसीडी का प्रवेश शुल्क भी सारथी के हिस्से।

प्राइवेट सेक्टर को चुनौती देने उतरी भारत टैक्सी सर्विस का ऐप भी अभी पूरी तरह डेवलप नहीं है। गुरुग्राम से दिल्ली तक की राइड लेने के दौरान एक बात और सामने आई कि भारत टैक्सी की ऑनलाइन बुकिंग में एमसीडी का प्रवेश शुल्क जुड़ा नहीं होता। कैब मालिक ग्राहक से उसकी अलग से डिमांड करता है। यह स्थिति कैब ओनर और ग्राहक दोनों को असहज करती है। कोई भी ग्राहक यात्रा में असहज नहीं होना चाहता। हां, भारत टैक्सी के ऐप में ओला-उबर से अलग एक फीचर अलग है। वह है, ग्राहक को स्टॉप की सुविधा लेकिन गुरुग्राम में तो है पर दिल्ली के लिए नहीं। इसका विस्तार ग्राहकों को आकर्षित करगा जबकि निजी कंपनियां अपने ऐप में यह सुविधा नहीं दे रहीं।

जरूरी है कि भारत टैक्सी एप भी समय-समय पर अपडेट करके 'ट्रैवलर फ्रेंडली' बनाया जाए। आज जब ऐसे भी ऐप हैं जो राइड सर्विस के प्राइस कंपेयर करके तुरंत उपभोक्ता को सजग कर देते हैं। ऐसे में भारत टैक्सी सर्विस को सफल बनाने के लिए बैसाखी के बजाय ग्राहक की उम्मीद के अनुरूप तैयार किया जाए। अगर सरकारी क्षेत्र की शीर्ष संस्थाएं ऐसा कर पाईं तो भारत टैक्सी का भविष्य वास्तव में उज्जवल होगा। नहीं तो दूसरी अन्य सेवाओं और उत्पादों की तरह ही सरकार के सहारे पर निर्भर रहकर बस नाम की रह जाएगी।

आत्मा के सूने आँगन में खुशियों की तलाश

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

मनुष्य के भीतर एक ऐसा आँगन होता है, जहाँ शोर नहीं होता, भीड़ नहीं होती, बस आत्माकी खामोशी होती है। यहीं से सुख-दुख का जन्म होता है, यहीं से संतोष और असंतोष की धाराएँ बहती हैं। लेकिन आज यह आँगन सूना पड़ता जा रहा है। प्रश्न यह नहीं कि हमारे जीवन में खुशियाँ क्यों कम हो गई हैं, प्रश्न यह है कि हम अपनी खुशी दूसरों की दहलीज़ पर क्यों छोड़ आए हैं? कब और कैसे हमारी आत्मा इतनी निर्भर हो गई कि उसकी मुस्कान भी किसी और की स्वीकृति की मोहताज हो गई?

एक समय था जब खुशी भीतर से उपजती थी। थोड़ी सी मेहनत, अपनों का साथ, और अपने होने का बोध इतना ही काफी था। आज परिस्थितियाँ बदली हैं, जीवन तेज़ हो गया है, लेकिन इसके साथ ही मन भी अस्थिर हो गया है। हमारी खुशी अब हमारे कर्मों से नहीं, बल्कि दूसरों की प्रतिक्रिया से तय होने लगी है। कोई सराह ले तो हम खिल उठते हैं, कोई अनदेखा कर दे तो भीतर सब सूखने लगता है। ऐसा लगता है जैसे आत्मा के सूने आँगन में खुशियाँ खुद उगनी बंद हो गई हों और हम बाहर से उन्हें माँगने निकल पड़े हों।

इस निर्भरता की जड़ में छिपा है स्वयं से कटाव। हम खुद से बात करना भूल गए हैं। अपने भीतर झाँकने का समय नहीं है, और शायद साहस भी नहीं। हम लगातार खुद को दूसरों से तौलते रहते हैं—उनकी उपलब्धियों से, उनकी चमकती ज़िंदगी से। तुलना का यह ज़हर धीरे-धीरे आत्मविश्वास को खोखला कर देता है। जब व्यक्ति स्वयं को कमतर समझने लगता है, तब वह अपनी कीमत दूसरों की नज़र से तय करने लगता है। यहीं से खुशी उधार की हो जाती है। आज का समाज हमें सिखाता है कि सफलता दिखनी चाहिए, खुशी नज़र आनी चाहिए। जो दिखाई नहीं देता, उसका कोई मूल्य नहीं। इसलिए हम अपने दुख छिपाते हैं और मुस्कान ओढ़ लेते हैं। सोशल मीडिया इस दिखावे को और गहरा करता है। कुछ तस्वीरें, कुछ शब्द, और हम मान लेते हैं कि सामने वाला पूर्ण है। हम यह भूल जाते हैं कि हर चमक के पीछे भी कोई सूना आँगन हो सकता है। लेकिन इस भूल की कीमत हमारी आत्मा चुकाती है—वह और भी अकेली हो जाती है। खुशी जब बाहर की चीज़ बन जाती है, तब वह स्थायी नहीं रहती। आज मिली, कल छिन गई। आज किसी ने सराहा, कल वही मौन साध लेगा। इस अनिश्चितता में जीता मन हमेशा डरा रहता है—कहीं खुशी हाथ से न फिसल जाए। यही डर भीतर की शांति को खा जाता है। आत्मा का आँगन, जो कभी सुकून से भरा रहता था, अब अपेक्षाओं और आशंकाओं से भर जाता है। हम बचपन से ही बाहरी उपलब्धियों को खुशी से जोड़ना सीखते हैं। अच्छे अंक, अच्छी नौकरी, अच्छा पद ,इन सबके साथ खुशी का वादा किया जाता है। लेकिन यह नहीं बताया जाता कि खुद से संतुष्ट होना, अपने होने को स्वीकार करना भी एक उपलब्धि है। जब जीवन की शिक्षा अधूरी रह जाती है, तब मन हमेशा कुछ और चाहता रहता है, और जो है, उसे देख नहीं पाता।

आत्मा के सूने आँगन में खुशियों की तलाश बाहर नहीं, भीतर से शुरू होती है। यह तलाश आसान नहीं है। इसमें खुद से सवाल करने पड़ते हैं, अपने डर और कमज़ोरियों से आँख मिलानी पड़ती है। लेकिन यही रास्ता सच्ची खुशी की ओर ले जाता है। जब व्यक्ति यह समझ लेता है कि उसकी कीमत किसी और की राय से तय नहीं होती, तब आत्मा का आँगन धीरे-धीरे भरने लगता है। खुशी तब लौटती है, जब हम तुलना छोड़ते हैं, जब हम अपनी यात्रा को अपनी गति से स्वीकार करते हैं। जब हम यह मान लेते हैं कि अधूरापन भी मानव होने का हिस्सा है। दूसरों की स्वीकृति अच्छी लग सकती है, लेकिन उसे जीवन का आधार बना लेना आत्मा को निर्बल कर देता है। अंततः यह स्वीकार करना होगा कि हमारी खुशी का भार किसी और के कंधों पर नहीं रखा जा सकता। वह भार हमें खुद उठाना है। जैसे ही हम यह ज़िम्मेदारी स्वीकार करते हैं, आत्मा का सूना आँगन फिर से जीवित हो उठता है। वहाँ दिखावा नहीं होता, शोर नहीं होता बस एक शांत, स्थिर और अपनी-सी खुशी होती है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नाचने के लिए उत्सुक मोरों को नि:शुल्क परामर्श

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

प्रेम सप्ताह में पंख फैलाए,नाचने के लिए उत्सुक मोरों को निःशुल्क परामर्श देने का मन है मेरा। वो दिन बीत गए जब शाहरुख़ खान की तरह आँखें भर लेने भर से मोरनियाँ भाव विभोर हो जाती थी। सच्ची बात तो ये कि आजकल मोरनियों को मोर के आंसुओं में कोई दिलचस्पी शेष नही रह गई है। देवदास टाईप के दयनीय,रोते पीटते मोर किसी मोरनी को नहीं सुहाते। ऐसे में मोरनी को देख मोर रोए और मोरनियाँ गर्भवती होने को उत्सुक हो उठें ये नामुमकिन। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अब न मोर बेवकूफ होते हैं न मोरनियाँ नादान। अब उन्हें खूब अच्छे से पता है कि वंश बढ़ाने की शास्त्रोक्त प्रक्रिया क्या है। और फिर मसला मोर के राजी होने का है ही नही। मोर तो हमेशा राजी बने रहते है। मोरनी राज़ी हो, तो दोनो मिलें। वैसे ही मिलें जैसा क़ायदा भगवान ने सबके लिए तय किया। घर बसे। किलकारियाँ गूंजे। नन्हे मुन्ने बच्चे फुदके आँगन में और रौनक़ हो।

मोरनियों का सानिध्य पाना अब पहले से अधिक कठिन है। मोरनियाँ अब आत्मनिर्भर है। रौब जमाने वाले या बस मटकने वाले मोर नहीं सुहाते अब उन्हें। बराबरी का,दोस्ताना व्यवहार चाहती हैं अब वो अपने साथ। और तो और वो अब खुद नाचना सीख चुकी और जो मोर उन्हें पसंद आ जाए वो उसके साथ कदमताल करते हुए उसे रिझाने का काम भी कर सकती है

मोरनियाँ ऐसे ही नहीं मिल जाती सेत मेंत में। खूबसूरत मोरनी को हासिल करने के लिए लायक़ होना पड़ता है। सर पर ताज हो,रंग बिरंगे पंख हो आपके पास तो, आपके बाबत विचार करें मोरनियाँ। और फिर पंख होने भर से भी बात नहीं बनती। फिरना पड़ता है मोरनी के इर्द गिर्द। नाचना

पड़ता है उसकी तान पर।पूरा धीरज रख इंतज़ार करना होता है। मनुहार करनी पड़ती है उसकी। उसे यकीन दिलाना होता है कि आप दूसरों से अलग और बेहतर है। तब कहीं जाकर सुंदर,ज़हीन और गर्वीली मोरनियाँ राज़ी होती हैं।

मोरनियों सबसे ज़्यादा कहाँ पाई जाती हैं? वहीं जहाँ वे अपने आप को सबसे ज़्यादा सुरक्षित महसूस करे। यही कारण है मोरनियाँ सरकारी कॉलोनियों की सुरक्षित हरियाली में यत्र तत्र सर्वर्थ विचरती है। सरकारी आवासों मे हवा,हरियाली और दाना पानी का पर्याप्त प्रबंध होता ही है। जाहिर है सरकारी आवासों में निवास करते कर्मठ मोरों को ही छरहरी,आकर्षक मोरनियाँ हासिल होती है।

मोरनियाँ को हासिल करने के लिए लालायित मोरों को चाहिए कि वो खुद को मोरनियों के लायक़ होकर दिखाएं। बस पंख फैलाकर,नाचने कूदने या आँसू बहाने से चतुर मोरनियाँ प्रभावित नही होती।मोरनियाँ रीझती है कर्मठ जहीन योग्य और सफल मोरों पर। दूरदर्शी मोरनियाँ सदैव से सरकारी आवास में निवास करते चश्मिश मोरों को वरीयता देती आई है। सीधी सी बात यह कि यदि नाचने के लिए आपके पास कोई सरकारी आवास उपलब्ध है तो आप मोरनियों को लेकर आश्वस्त हो सकते है,वरना जंगल मे ढेर सारे मोर नाचते ही हैं और उनकी तरफ कोई नही देखता।

हमारी दुनिया

ब्रजेश कानूनगो

(लेखक स्तंभकार हैं)

गाम्बिया - जहाँ पत्थरों से मतदान होता है

गांबिया दुनिया का संभवतः इकलौता ऐसा देश है जहाँ चुनावों में कागजी मतपत्रों के बजाय पत्थरों या कंचों का उपयोग किया जाता है। यह व्यवस्था काफी अनोखी है और इसके पीछे कुछ दिलचस्प कारण हैं। हर पोलिंग बूथ पर उम्मीदवारों के नाम और फोटो वाले अलग-अलग रंग के लोहे के ड्रम रखे होते हैं। मतदाता को मतपत्र की जगह एक पारदर्शी कांच का कंचा या पत्थर जैसा गोला दिया जाता है। वह अपनी पसंद के उम्मीदवार के ड्रम में उसे डाल देता है। ड्रम के अंदर एक धातु की नली लगी होती है। जब कंचा उसमें गिरता है, तो साइकिल की घंटी जैसी आवाज आती है। इससे चुनाव अधिकारियों को पता चल जाता है कि मतदाता ने वोट डाल दिया है और यह भी सुनिश्चित होता है कि किसी ने एक बार में एक से ज्यादा कंचे तो नहीं डाले।

दुनिया के अधिकांश देशों में चुनाव या तो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से करवाए जाते हैं या फिर बेलेट पेपर याने मतपत्र द्वारा नागरिक अपने नेतृत्व या सरकार को चुनते रहे हैं। जिस दौर में हमारे यहां ईवीएम को लेकर कई सवाल खड़े होते रहे हैं और चुनावों में कागजी मतपत्रों के उपयोग की ओर लौटने की आवाजें सुनाई दे रहीं हैं उसी समय एक गणराज्य ऐसा भी है जहाँ अब तक पत्थरों द्वारा अपने नेतृत्व और सरकार को चुना जाता रहा है। जी हाँ, हम बात कर रहे हैं अफ्रीका के गाम्बिया देश की ।

गांबिया (The Gambia) पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक छोटा लेकिन सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है। इसके दोस्ताना लोगों और भौगोलिक बनावट के कारण इसे "The Smiling Coast of Africa" कहा जाता है। गांबिया एक बहुदलीय लोकतांत्रिक गणराज्य (Democratic Republic) है। यहाँ राष्ट्रपति शासन प्रणाली है, जहाँ राष्ट्रपति ही राष्ट्र और सरकार दोनों का प्रमुख होता है। बांजुल (Banjul) यहाँ की राजधानी है, जबकि सेरीकुंडा (Serrekunda) सबसे बड़ा शहर और आर्थिक केंद्र है। गाम्बिया 18 फरवरी 1965 को ब्रिटेन से स्वतंत्र हुआ था। 2017 में लंबे समय तक रहे तानाशाह याह्या जाम्मेह के शासन के अंत के बाद यहाँ लोकतंत्र मज़बूत हुआ है।

गांबिया (The Gambia) दुनिया का संभवतः इकलौता ऐसा देश है जहाँ चुनावों में कागजी मतपत्रों (ballots) के बजाय पत्थरों या कंचों (marbles) का उपयोग किया जाता है। यह व्यवस्था काफी अनोखी है और इसके पीछे कुछ दिलचस्प कारण हैं। हर पोलिंग बूथ पर उम्मीदवारों के नाम और फोटो वाले अलग-अलग रंग के लोहे के ड्रम (Ballot Bo&es) रखे होते हैं। मतदाता को मतपत्र की जगह एक पारदर्शी कांच का कंचा या पत्थर जैसा गोला दिया जाता है। वह अपनी पसंद के उम्मीदवार के ड्रम में उसे डाल देता है। ड्रम के अंदर एक धातु की नली लगी होती है। जब कंचा उसमें गिरता है, तो साइकिल की घंटी जैसी आवाज आती है। इससे चुनाव अधिकारियों को पता चल जाता है कि मतदाता ने वोट डाल दिया है और यह भी सुनिश्चित होता है कि किसी ने एक बार में एक से ज्यादा कंचे तो नहीं डाले।

दरअसल जब यह सिस्टम 1960 के दशक में शुरू किया गया था, तब गांबिया में साक्षरता दर बहुत कम थी। कंचों और रंगों वाले ड्रमों की मदद से उन लोगों के लिए भी वोट देना आसान हो गया जो पढ़-लिख नहीं सकते थे। इस प्रक्रिया में धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाती है, ड्रमों को सील कर दिया जाता है और कंचों को गिनना काफी पारदर्शी प्रक्रिया मानी जाती है।

इसके अलावा यह भी माना गया है कि कागजी मतपत्रों की छपाई और उन्हें सुरक्षित रखने के मुकाबले यह व्यवस्था काफी सस्ती पड़ती है क्योंकि ड्रम और कंचों का दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। यह प्रक्रिया पर्यावरण अनुकूल है क्योंकि मार्बल और ड्रम को कई बार इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे कागज की भी बचत होती है।

हाल के वर्षों में गांबिया में इस सिस्टम को बदलने और आधुनिक पेपर बैलेट लाने पर चर्चा हुई है, क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या बढ़ने पर इतने सारे ड्रम रखना मुश्किल हो जाता है। हालांकि, 2021 के राष्ट्रपति चुनाव में भी इसी 'कंचा पद्धति' का इस्तेमाल किया गया था क्योंकि जनता इस पर बहुत भरोसा करती है। अब गांबिया ने 2026 के राष्ट्रपति चुनाव से पेपर बैलेट सिस्टम अपनाने का फैसला किया है, क्योंकि मार्बल सिस्टम अब संभवतः लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता।

इस लोकतांत्रिक देश की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर टिकी है कृषि,पुनर्नियात व्यापार और पर्यटन। लगभग 75 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। मूंगफली (Peanuts) यहाँ की मुख्य नकदी फसल है और निर्यात का बड़ा हिस्सा है। समुद्र तट पर स्थित होने के कारण यह पड़ोसी देशों के लिए एक व्यापारिक केंद्र के रूप में कार्य करता है। अपने खूबसूरत समुद्र तटों (Beaches) और पक्षी दर्शन (Bird watching) के लिए प्रसिद्ध होने के कारण यहाँ पर्यटन विदेशी मुद्रा का बड़ा स्रोत है।

गांबिया अपनी सुंदर तटरेखाओं और उभरती अर्थव्यवस्था के कारण पर्यटकों और निवेशकों दोनों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। कोलोली और कोटू जैसे प्रमुख बीच (Kololi & Kotu Beach) गांबिया के सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट हैं। यहाँ की सफेद रेत और ताड़ के पेड़ पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यहाँ कई लग्जरी रिसॉर्ट्स और स्थानीय हस्तशिल्प बाज़ार हैं। यहां का कुंटा किन्ते द्वीप (Kunta Kinteh Island) एक NESCO विश्व धरोहर स्थल है। यह प्रसिद्ध उपन्यास और टीवी सीरीज़ 'रूट्स' (Roots) से जुड़ा है और दास व्यापार के इतिहास की मार्मिक झलक पेश करता है। अबूको नेचर रिजर्व (Abuko Nature Reserve) पार्क वन्यजीव प्रेमियों और पक्षी विशेषज्ञों (Bird watchers) के लिए स्वर्ग के समान है। यहाँ बंदरों, मगरमच्छों और सैकड़ों प्रजातियों के पक्षियों को देखा जा सकता है। काचिकाली क्रोकोडाइल पूल (Kachikally Crocodile Pool) बाकाऊ में स्थित है और यह एक पवित्र स्थान माना जाता है, जहाँ आप पालतू मगरमच्छों को छू सकते हैं और उनके साथ फोटो खिंचवा सकते हैं। वासु स्टोन सर्कल्स (Wassu Stone Circles) एक और NESCO धरोहर स्थल है, जो रहस्यमयी प्राचीन पत्थर के घेरों के लिए जाना जाता है। इन्हें अफ्रीका के 'स्टोनहेंज' के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा राजधानी बांजुल का अल्बर्ट मुख्य बाज़ार जहाँ आप अफ्रीकी संस्कृति, कपड़े, मसालों और शोर-शराबे वाली स्थानीय जिंदगी का अनुभव कर सकते हैं।

मुस्लिम बहुल (90 प्रतिशत) 24 लाख आबादी वाले इस देश की आधिकारिक भाषा अंग्रेजी है, लेकिन स्थानीय स्तर पर मंडिंका (Mandinka), वोलोफ (Wolof) और फुला (Fula) जैसी भाषाएँ प्रमुखता से बोली जाती हैं। बड़े संयुक्त परिवारों (Compounds) में रहने वाले यहां के लोग मिलनसार और मेहमाननवाज होते हैं। वर्तमान में ऊर्जा, कृषि, प्रसंस्करण,डिजिटलाइजेशन, फिशरीज और किफायती आवास और व्यावसायिक भवनों के निर्माण के क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए गांबिया अपनी 'उदार बाजार व्यवस्था' और 'वेस्ट अफ्रीकी बाज़ार' (ECOWAS) के प्रवेश द्वार के रूप में निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। पर्यटन (Tourism) के क्षेत्र में यहाँ इको-टूरिज्म, बुटीक होटल और क्रूज़ सेवाओं में निवेश की बहुत संभावना है। सरकार पर्यटन के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने पर ध्यान दे रही है।

सामयिक

प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि में विभागाध्यक्ष हैं।

संसद की गरिमा को बचाने की जरूरत

देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मर्यादाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ, वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ, सबने देखा। यह संसदीय मर्यादाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है। इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मर्यादाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं। दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ, संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है।

मुद्दे की बात यह भी है कि क्या हमारे सांसद स्वस्थ बहस चाहते हैं? क्या क्षणिक राजनीतिक सुर्खियों के लिए हम समाज के वृहत्तर प्रश्नों की उपेक्षा नहीं कर रहे हैं। दिवंगत नेताओं की चरित्रावली का वाचन करके हम कौन से मूल्य स्थापित कर रहे हैं? कभी नेता प्रतिपक्ष ने वीर सावरकर पर सवाल खड़े करके जो गलत परंपरा डाली, अब दूसरे सांसद बोरे में किताबें लाकर उनके अंश पढ़ रहे हैं। इससे हमें क्या हासिल होगा? नेहरू जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल जी इस देश के महान नेता रहे हैं, उनके देहावसान के बाद ऐसी गलीज बातें राजनीतिक कार्यकर्ताओं को नहीं करनी चाहिए। मृत्यु के बाद हम पुरखों के सद्गुण याद करते हैं। उनके प्रदेय और योगदान पर गर्व करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। किंतु हम किस रास्ते पर चल पड़े हैं? आजादी के इतने सालों बाद संसदीय बहस और संसदीय मर्यादाओं का स्तर ऊंचा करने के बजाय हम इसे रसातल में ले जा रहे हैं। कितना अच्छा होता कि हमारे सांसद यह समझ पाते कि देश की जनता ने उन्हें किन उम्मीदों से संसद में भेजा है। अगर सांसद ही तय लेंगे कि संसद नहीं चलेगी, तो उसे कौन चला सकता है। सांसद होना साधारण नहीं है, देश के 1 अरब, 40 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधियों का आचरण प्रश्नचिन्ह की तरह हमारे सामने है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल ऐसे निराशाजनक दृश्यों से संसद को बचाने के लिए सोचेंगे।

संसदीय राजनीति का यह पतन देखकर सबसे दुखी शायद पं.जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी ही होते। दुर्भाग्यवश इन दोनों के राजनीतिक उत्तराधिकारी ही इन दृश्यों के लिए जिम्मेदार हैं। बाकी से क्या उम्मीद करना ?

जयंती विशेष

सपना सी.पी. साहू 'स्वप्निल'

शबरी की भक्ति से रामराज्य का मार्ग

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में जातिवाद की समस्या और भी विकराल हो गई है। एक ओर सरकारें सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ जातिगत भेदभाव को मिटाने का दावा करती हैं, तो दूसरी ओर विपक्ष जातिगत जनगणना को सामाजिक न्याय की अंतिम कुंजी के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। राजनीति ने जाति को एक सशक्त चुनावी हथियार बना दिया है। चुनाव के समय प्रत्याशियों का चयन योग्यता या समाज सेवा के आधार पर नहीं, बल्कि उस निर्वाचन क्षेत्र के जटिल जातीय समीकरणों के आधार पर होता है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि देश में विचारधाराओं की लड़ाई अब जातियों के ध्रुवीकरण में परिवर्तित हो गई है। जब तक राजनीतिक दल जातियों को केवल वोट बैंक के चश्मे से देखेंगे, तब तक जातिवाद का अंत असंभव है। रामराज्य की कल्पना केवल भव्य निर्माणों से पूरी नहीं हो सकती, इसके लिए राम के उस चरित्र को और उनके दिखाए समरसता के मार्ग को सबको धारण करना होगा। प्रभु राम ने जातिगत श्रेष्ठता के अहंकार को शबरी के चरणों में समर्पित कर दिया था।

श्री राम भगवान की अनन्य भक्त शबरी माता। जिनकी जयंती का पावन अवसर भारतीय संस्कृति में उस क्रांतिकारी क्षण की याद दिलाता है, जहां एक वनवासी महिला की श्रद्धा, सबूरी से आच्छादित पावन भक्ति ने ईश्वरीय सत्ता को सामाजिक वर्जनाओं के उल्लंघन के लिए विवश कर दिया था। रामायण का वह प्रसंग जिसमें प्रभु श्री राम ने माता शबरी के जूठे बेर खाए, वह केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं बल्कि उस युग का सबसे बड़ा सामाजिक न्याय का प्रमाण था। किंतु आज जब हम आधुनिक भारत के मानचित्र पर जातिवाद की गहरी होती लकीरों को देखते हैं, तो हृदय में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में उसी राम के वंशज हैं जिन्होंने सामाजिक समरसता को अपने आचरण से सिद्ध किया था? क्या वर्तमान भारत में जातिवाद एक ऐसी अमरबेल नहीं बन चुकी है, जो विकास के वृक्ष को जकड़े हुए है। आज राजनीति से लेकर न्यायपालिका तक और आम गलियों से लेकर संसद तक, जाति की पहचान व्यक्ति की योग्यता और उसकी मानवीयता पर भारी पड़ रही है।

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में जातिवाद की समस्या और भी विकराल हो गई है। एक ओर सरकारें सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ जातिगत भेदभाव को मिटाने का दावा करती हैं, तो दूसरी ओर विपक्ष जातिगत जनगणना को सामाजिक न्याय की अंतिम कुंजी के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। राजनीति ने जाति को एक सशक्त चुनावी हथियार बना दिया है। चुनाव के समय प्रत्याशियों का चयन योग्यता या समाज सेवा के आधार पर नहीं, बल्कि उस निर्वाचन क्षेत्र के जटिल जातीय समीकरणों के आधार पर होता है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि देश में विचारधाराओं की लड़ाई अब जातियों के ध्रुवीकरण में परिवर्तित हो गई है। जब तक राजनीतिक दल जातियों को केवल वोट बैंक के चश्मे से देखेंगे, तब तक जातिवाद का अंत असंभव है। रामराज्य की कल्पना केवल भव्य निर्माणों से पूरी नहीं हो सकती, इसके लिए राम के उस चरित्र को और उनके दिखाए समरसता के मार्ग को सबको धारण करना होगा। प्रभु राम ने जातिगत श्रेष्ठता के अहंकार को शबरी के चरणों में समर्पित कर दिया था।

भारत में न्यायपालिका ने भी समय-समय पर जातिवाद के बढ़ते खतरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल के वर्षों में कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं, जिसमें कहा गया कि आजादी के सात दशकों बाद भी जातिवाद समाप्त होने के बजाय और अधिक गहरी जड़ें जमा चुका है। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से सचेत किया है कि जातिवाद राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए सबसे बड़ा आंतरिक खतरा है। यह एक ऐसा सामाजिक कलंक है जिसे मिटाने के लिए समाज को केवल कानूनी प्रावधानों से आगे बढ़कर अपनी चेतना में बदलाव लाना होगा। वास्तविकता यह है कि कानून केवल दंडात्मक कार्रवाई कर सकता है, वह अंतरात्मा की शुद्धि नहीं कर सकता। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों की बारात पर पथराव होना या हाथरस और खैरलांजी जैसी जघन्य घटनाओं का घटित होना यह दर्शाता है कि हमारा आधुनिक समाज तकनीकी रूप से तो आगे बढ़ गया है, लेकिन वैचारिक रूप से वह आज भी मध्यकालीन संकीर्णता में फंसा हुआ है। इस विमर्श का एक दूसरा और अधिक चुनौतीपूर्ण पहलू लाभ पक्ष का मोह है। यह ऐतिहासिक सत्य है कि सदियों से वंचित रहे वर्गों (एसटी-एससी) को मुख्यधारा में लाने के लिए संवैधानिक आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। किंतु आज यह व्यवस्था भी अनजाने में जातिगत पहचान को दृढ़ करने का एक शक्तिशाली माध्यम बन गई है। जब किसी व्यक्ति की प्रगति, शिक्षा और आर्थिक लाभ का एकमात्र आधार उसकी जाति बन जाती है, तो वह चाहकर भी उस पहचान से मुक्त नहीं होना चाहता। आज आरक्षित वर्गों के भीतर भी एक ऐसा प्रभावशाली उच्च वर्ग (क्रीमी लेयर) विकसित हो गया है जो आरक्षण के लाभ को पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपने पास रखना चाहता है, भले ही वह सामाजिक और आर्थिक रूप से पूर्णतः सक्षम हो चुका हो। जब पीड़ित पक्ष भी जातिवाद को केवल अपने लाभ पक्ष की दृष्टि से देखने लगता है, तो वह भेदभाव की इस व्यवस्था को अप्रत्यक्ष रूप से खाद-पानी देने लगता है। रामराज्य की प्राप्ति के लिए यह अनिवार्य है कि हम स्वार्थ से ऊपर उठकर सर्वहित की भावना विकसित करें। आज के दौर में समरसता का अर्थ केवल कागजी सह-अस्तित्व नहीं, बल्कि वास्तविक आत्मिक जुड़ाव होना चाहिए। हम देख रहे हैं कि उच्च शिक्षा और वैश्विक तकनीकी प्रगति के बावजूद, व्यक्तिगत जीवन में जातिगत प्राथमिकताएं आज भी स्पष्ट झलकती हैं। शिक्षित युवा भी आज सोशल मीडिया पर अपनी जाति के गौरव का प्रदर्शन जिस आक्रामकता के साथ करते हैं, वह चिंताजनक है। यह इस बात का संकेत है कि जातिवाद अब केवल अशिक्षा या ग्रामीण परिवेश की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक पहचान का संकट बन चुका है। राम जी ने वंचित वर्ग को गले लगाया और माता शबरी के जूठे फल खाकर जिस समरसता का बीज बोया था हमने उसे स्वार्थ और राजनीतिक महत्वाकांक्षा की खाद देकर सुखा दिया है। राम जी का चरित्र हमें सिखाता है कि जो समाज अपने सबसे कमजोर व्यक्ति को सम्मान नहीं दे सकता, वह कभी राज्य से रामराज्य नहीं बन सकता।

रामराज्य का मार्ग उसी शबरी की कुटिया से होकर गुजरता है जहां ऊंच-नीच और भेदभाव का कोई स्थान नहीं था। यदि हम वास्तव में एक विकसित और समृद्ध भारत का सपना देखते हैं, तो हमें जातिगत जनगणना जैसे विभाजनकारी विमर्शों से ऊपर उठकर मानवीय मूल्यों की गणना की ओर बढ़ना होगा। समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं को यह समझना होगा कि जाति केवल एक पारिवारिक पहचान हो सकती है, लेकिन यह किसी के प्रति घृणा या श्रेष्ठता का आधार नहीं होनी चाहिए। शबरी जयंती पर हमारा वास्तविक संकल्प यह होना चाहिए कि हम राजनीति के बिछाए गए जातिगत बिसातों को उखाड़ फेंकें और एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां व्यक्ति का मूल्यांकन उसके गोत्र से नहीं बल्कि उसके गुण और कर्म से हो। जब तक हम जाति को सत्ता प्राप्ति और व्यक्तिगत लाभ का माध्यम बनाते रहेंगे, तब तक रामराज्य केवल एक सुदूर कल्पना ही बना रहेगा। वास्तविक समरसता तभी आएगी जब हम दूसरों की जाति पूछने से पहले अपनी इंसानियत को पहचानेंगे।

जातिवाद का अंत न तो केवल सरकारी कानूनों से होगा और न ही राजनीतिक जनगणना से। यह केवल हृदय परिवर्तन और राम के समावेशी चरित्र को अपनाने से संभव है। यह शबरी जयंती पर दृढ़ संकल्पित हो कि प्रेम और श्रद्धा के समक्ष हर सामाजिक दीवार बोनी बनाएंगे। यदि हम वास्तव में रामराज्य के आकांक्षी हैं, तो हमें जाति के लाभ का मोह छोड़कर सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा को प्राथमिकता देनी होगी। समरसता तभी सार्थक होगी जब समाज का हर +व्यक्ति दूसरे की जाति पूछने से पहले उसकी मानवीय गरिमा को पहचाना जाएगा।

भगवान बिरसा मुंडा समिति की बैठक सम्पन्न

सोहागपुर। आदिवासी ग्राम नया ककूरा में भगवान बिरसा मुंडा समिति की बैठक संपन्न हुई । इस बैठक में तय किया गया कि 15 फरवरी को शिवा शंकर त्रिशूल यात्रा पैदल निकल जाएगी । इस यात्रा में ढोल बाजे डीजे एवं सभी आदिवासी सम्मिलित रहेंगे। यात्रा नया कुकुरा से प्रारम्भ होकर शिवरात्रि के अवसर पर शिव मंदिर सोहागपुर पहुंचेगी । उसके उपरांत यात्रा का समापन किया जाएगा। इस बैठक में समाजसेवी गणेश अहिवार,उमेश उइके, मनीष धुर्वे, अंकित उइके,सोनू कुरोची पूरन कमलेश भलावी, बिरजू मर्सकोले, श्री उइके आदि उपस्थित थे। गणेश अहिवार आदिवासी अंचल का दौरा करके नागरिकों से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने की अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

गोवंश तस्करी के मामले में 5 वाहन जब्त, 12 आरोपी गिरफ्तार

● महाराष्ट्र ले जाए जा रहे एक दर्जन गोवंश को कराया मुक्त

बैतूल। बैतूल बाजार पुलिस ने महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाए जा रहे पांच वाहनों को जब्त कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 12 गोवंशों को मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी व एसडीओपी सुनील लाटा के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस को कोलगांव रोड अयोध्या लॉन और आठनेर रोड बडोरा क्षेत्र में गोवंशों से भरे वाहनों के महाराष्ट्र जाने की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी निरीक्षक अंजना धुर्वे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सभी वाहनों को पकड़ा। जब्त किए गए वाहनों में पांच पिकअप और एक अशोक लीलैंड वाहन शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 11 लाख 40 हजार रुपए आंकी गई है। इन वाहनों में भरे 12 गोवंशों की कीमत करीब 2 लाख 60 हजार रुपए बताई गई है। सभी आरोपियों के पास गोवंश परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4, 6, 9, 11 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(घ) के तहत मामला दर्ज किया है। मुक्त कराए गए गोवंशों को त्रिवेणी गोशाला में सुरक्षित रखा गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गोरेलाल यादव, मुकेश कहार, चेतराम, मनीष यादव, अनिल कहार, रमेश यादव, इंगल यादव, अक्षय कुसंगे, प्रतीक सायवान, ऋतविक उमाडे और ऋषिकेश मैटकर शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने बताया कि जिले में गोवंश तस्करी या पशुओं के प्रति क्रूरता के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आम नागरिकों से ऐसे किसी भी अवैध परिवहन या तस्करी की सूचना तुरंत नजदीकी थाने या डायल-112 पर देने की अपील की है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक विनोद मालवीय, नरेंद्र सिंह ठाकुर, प्रधान आरक्षक अशोक झरबड़े, आरक्षक प्रकाश धुर्वे, अरुण लौवंशी, माखन पाल, विशाल, कमल पवार, कमल चौरे, महिला आरक्षक अंकिता शर्मा और संजू धुर्वे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अजातशत्रु श्रीवास्तव के मुख्यमंत्री के ओएसडी बनने पर जन परिषद ने जताया हर्ष

बैतूल। जन परिषद की जिला इकाई बैतूल द्वारा जन परिषद के उपाध्यक्ष एवं पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अजातशत्रु श्रीवास्तव के मुख्यमंत्री के ओएसडी बनने पर हर्ष जताया है। वहीं भोपाल के पदाधिकारियों में रामजी श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, दुर्गेश रैकवार, मोहन अग्रवाल एवं सुनील श्रीवास्तव ने भोपाल में अजात शत्रु जी के निवास पर पहुंचकर उनको गुलदस्ता देकर व मिठाई खिलाकर बधाईयां दी। इस अवसर पर श्री अजात शत्रु जी ने कहा कि जन परिषद के सामाजिक एवं रचनामक उद्देश्यों को मूर्तरूप देने के लिए, उनसे जो भी बन पड़ेगा, वे उसके लिए कृतसंकल्पीत हैं ।

शिव बारात में उज्जैन की ख्याति प्राप्त झांझ-डमरू टीम देगी विशेष प्रस्तुति

● 30 कलाकारों के साथ आएगा श्री भस्म रमैया भक्त मंडल उज्जैन

बैतूल। महाशिवरात्रि पर्व पर 15 फरवरी को निकलने वाली देवाधिदेव महाकाल की भव्य शिव बारात को इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर का सांस्कृतिक स्वरूप मिलने जा रहा है। श्री शंभू भोले सेवा उत्सव समिति, बैतूल के अनुसार शिव बारात में उज्जैन की ख्याति प्राप्त झांझ-डमरू टीम विशेष प्रस्तुति देगी, जिससे आयोजन की भव्यता और धार्मिक ऊर्जा और अधिक बढ़ेगी। समिति के मोनू यादव ने बताया कि शिव बारात में उज्जैन का श्री भस्म रमैया भक्त मंडल अपने 30 साथियों के साथ शामिल होगा। यह दल शिव प्रिय वाद्य यंत्र डमरू की प्रस्तुति के लिए देशभर में प्रसिद्ध है और भारत के कई बड़े शहरों में अपनी प्रस्तुतिया दे चुका है। मोनू यादव ने बताया कि श्री भस्म रमैया भक्त मंडल उज्जैन साउथ के सुपरस्टार पवन कल्याण के साथ फिल्म हरिहर वीर मल्लू में भी अपनी प्रस्तुति दे चुका है। इस प्रतिष्ठित टीम की सहभागिता से बैतूल की शिव बारात को विशेष पहचान मिलने की संभावना है। समिति के अमन सोनकपुरिया ने जानकारी दी कि आज सोमवार शिव विवाह उत्सव अंतर्गत ओंकारेश्वर का टीका संपन्न होगा। यह रस्म पारंपरिक विधि-विधान के साथ श्रद्धा और भक्ति भाव से आयोजित की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी। महाकाल मंदिर में विराजित शिवलिंग का श्रृंगार परंपरागत विधि-विधान के अनुसार मूर्ति कलाकार सुनील प्रजापति द्वारा किया जा रहा है। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर चल रहे मंगलोत्सवों के अंतर्गत पुष्प, भस्म, बेलपत्र और अन्य पूजन सामग्री से शिवलिंग को विशेष रूप से सजाया जा रहा है, जिससे पूरे मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण निर्मित हो रहा है।

वेदी प्रतिष्ठा समारोह दीपावली अनुरूप उत्सव, शोभायात्रा निकली, जगह-जगह स्वागत, नगर बैनरों, झंडों से पटा

हीरालाल गोलानी सोहागपुर।

नगर में जैन समाज के तत्वावधान में वेदी प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर रेल्वे स्टेशन रोड स्थित देनव ग्रार्डन से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा का अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी जायजा लेती रही। वहीं एसडीओ पुलिस संजू चौहान,नगर निरीक्षक उषा मरावी, एएसआई गणेश राय,हेड कांस्टेबल विनोद नागर आदि स्वयं व्यवस्था करने में लगेरहे ,ताकि शोभायात्रा के वितरित दिशा से किसी दो पहिया,या चार पहिया वाहनों से शोभायात्रा में व्यवधान उत्पन्न न कर सके। इस शोभायात्रा में प्रदेश के कौने कौने के सजातीय बन्धुओं के अलावा अन्य प्रदेशों के महानगरों से भी हजारों कीभारी संख्या में मातृशक्ति, नागरिकों, युवक, युवतियों शामिल थे। जैन बन्धु, कई नागरिक एक साथ एक ही पोशाक पहने हुए थे। कई सामाजिक बंधु एक ही किस एक ही रंग में पगड़ी पहने हुए थे।इधर मातृशक्ति भी एक जैसा साफा पहने हुए थे। बैंड बाजे के अलावा

सामाजिक बन्धु जैन समाज के प्रति उद्धधोष कर रहे थे। इस शोभायात्रा की विशेष बात यह रही कि जैन समाज के प्ररम श्रेध्य आध्यात्मिक रत्न शिखर प्रेरणता बालब्रह्मचारी संत बसंत जी महराज पैदल चल रहे थे। उनके साथ शंभू दरबार के पंडित प्रकाश मुद्गल साथ चल रहे थे।इस प्रतिनिधि ने भी चरणस्पर्श करके उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन समाज के अखिल जैन ने बताया कि इस पावन कार्य में इतिहास रत्नाकर आध्यात्मिक रत्न शिखर प्रेरणता बाल ब्रह्मचारी बसंत जी महराज,श्रेध्य बाबूलाल महराज,श्रेध्य पन्नालाल महराज आदि इस पावन कार्य में शामिल हुए हैं।

शोभायात्रा में तीन चांदी के डोल चल रहे थे।जिसको चार सामाजिक बंधु अपने कंधों पर उठाए हुए थे। चांदी के डोल में जैन समाज के ग्रंथ रखें हुए थे। शोभायात्रा की एक बग्गियों में कलश लिए अखिलेश जैन सपत्नीक, दूसरी बग्गी में अभिषेक जैन सपत्नीक बैठे थे। वेदी प्रतिष्ठा के लिए नगर को बैनरों, झंडों से पाट दिया गया था। जगह जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। न्यायालय चौराहा से आगे पूर्व पार्षद दीपक साहू ने उससे आगे नगर कांग्रेस ने, मुख्य बाजार में शेख वहीद, मारवाड़ी समाज,वेश्य समाज, भाजपा , चौरसिया समाज, कमानिया गेट के पास मूलचंद जैन ने सपरिवार स्वागत किया। जगह जगह स्वागत में जल ,पान आदि की व्यवस्था की थी। शोभायात्रा में भारी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक शामिल थे। शोभायात्रा देनवा गार्डन से प्रारंभ होकर न्यायालय चौराहा, पलकमती पुल, मुख्य बाजार, कमानिया गेट, बिहारी चौक से होकर गंतव्य स्थान तरण तारण चैताल्य पहुंचा। समाज के भोपाल निवासी मनीष जैन ने बताया कि इसके पूर्व वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम 1962 में संपन्न हुआ था। वर्तमान में नवीन मंदिर में नवीन वेदी प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 2026 में आयोजित किया गया है। इस वेदी प्रतिष्ठा समारोह में प्रदेश ही नहीं अन्य प्रान्तों के महिलाओं एवं नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। उल्लेखनीय है वेदी प्रतिष्ठा समारोह के लिए नगर के जैन समुदाय ने अपने प्रतिष्ठान दुकानें बंद रखीं हैं। ज्ञातव्य है कि वेदी प्रतिष्ठा का समारोह कन्या शाला के पीछे आयोजित हो रहा है।

सोहागपुर थाने की उत्कृष्ट पहल

सुबह सवेरे सोहागपुर

सोहागपुर पुलिस थाने के आगामी परीक्षाओं को लेकर नवाचार प्रयोग करने का प्रयास किया गया है। ज्ञातव्य है कि 10 फरवरी से माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हाई स्कूल एवं भारत सेकेंडरी परीक्षाओं की घोषणा की है। इसी तारतम्य में सोहागपुर पुलिस ने किसी परीक्षार्थी का वाहन अपने गंतव्य स्थान से परीक्षा केंद्र आते समय रास्ते में खराब होने की स्थिति में छात्र या अभिभावकगण तत्काल सोहागपुर पुलिस थाने के मोबाइल नंबर 7701052276 पर सूचना दे ताकि पुलिस वाहन 112 से उक्त छात्र को गंतव्य परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकें। इसके अलावा पुलिस वाहन 112 पर भी जानकारी दी जा सकती है। पुलिस ने यह भी आगाह किया है कि परीक्षाओं के अवसर पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के शोरगुल की सूचना पुलिस थाने में दे ताकि अग्रिम कार्यवाही की जा सके। नगर निरीक्षक उषा मरावी एवं एएसआई गणेश राय ने छात्रों से आव्हान किया है कि परीक्षा के समयविद्यार्थी किसी भी प्रकार का मानसिक तनाव न लेते हुए अच्छे मन से पेपर दें,। परीक्षा फलों में नंबरों की होड़ में ना पड़े कि पेपर खराब हो गया है ।या नंबर कम आएंगे सोचकर ऐसा कोई कदम ना उठाएं ।जिससे आपका परिवार दुखी हो ।ईश्वर का दिया हुआ जीवन सर्वोपरि है। जीवन से बढ़कर कोई अंक संसार में नहीं हैं।

इसलिए परीक्षा का कोई अंक मायने नहीं रखता है । आपने अंत में आग्रह किया है कि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परीक्षा से संबंधित काउंसलिंग की आवश्यकता भी बताई जा सकती है। माता-पिता भी बच्चों के ऊपर अधिक अंक लाने के दबाब डालने से बचें।

प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग

केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। पत्रकार कल्याण परिषद के पदाधिकारियों ने रविवार को केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात कर पत्रकारों की सुरक्षा और न्याय दिलाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर परिषद के संभागीय प्रभारी राधेश्याम सिन्हा ने बताया कि प्रदेश में लंबे समय से पत्रकारों पर झूठे एवं प्रताडऩा संबंधी गंभीर मामले दर्ज हो रहे हैं। इसके कारण पत्रकारगण स्वतंत्र रूप से अपना दायित्व नहीं निभा पा रहे हैं। पत्रकारों द्वारा प्रताडऩा की शिकायत करने पर भी पुलिस उचित कार्रवाई नहीं करती है। पत्रकार कल्याण परिषद के महासचिव संजय द्विवेदी ने कहा कि सच्चे और ईमानदार पत्रकारों पर झूठे मुकदमे कायम नहीं किए जाए। पत्रकारों की शिकायतों और सूचनाओं पर गंभीरता से कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि पत्रकार सुरक्षा कानून मप्र के अलावा अन्य कई प्रदेशों में लागू किया जा चुका है। पत्रकारों के हित में इस कानून को जल्द से जल्द लागू किया जाए। जिलाध्यक्ष कैलाश अग्निहोत्री ने कहा कि सरकार का दायित्व है कि पत्रकारों को सुरक्षा प्रदान की जाए, यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। पत्रकार सुरक्षा गारंटी कानून लागू किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

● पेंशनरों का 11 फरवरी को बिजली ऑफिस केम्पियन हाउस में एक दिवसीय धरना

विद्युत मंडल पेंशनर्स बैतूल में करेंगे धरना प्रदर्शन, पीड़ित पेंशनर्स के साथ न्याय हो : जिलाध्यक्ष डीके तिवारी

बैतूल। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर संयुक्त मोर्चा के आव्हान पर 11 फरवरी को लिंक रोड, टिकारी स्थित बिजली ऑफिस के केम्पियन हाउस में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। म.प्र.वि.म. पेंशनर एसोसिएशन के संगठन सचिव प्रकाश मांडवे ने पेंशनरों से अपील की है कि इस आंदोलन को किसी भी स्थिति में हल्के में न लें, क्योंकि यह उनके भविष्य से जुड़ा हुआ गंभीर मुद्दा है। यदि इस लड़ाई में पेंशनर असफल होते हैं तो उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है

और इसकी जिम्मेदारी स्वयं पेंशनरों पर होगी। संयुक्त मोर्चा ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। प्रत्येक पेंशनर से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ कम से कम दो या तीन अन्य साथियों को प्रेरित कर धरना स्थल पर लेकर आएं। आंदोलन को सफल बनाने के लिए जिलेभर के पेंशनरों से सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की गई है।

19 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने निकाली रैली

ई-अटेंडेंस-चुनावी ड्यूटी का विरोध, अप्रैल में आंदोलन की चेतावनी

बैतूल। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने अपनी 19 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारी भवन से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें शीघ्र नहीं मानी गईं, तो अप्रैल माह में एक व्यापक आंदोलन किया जाएगा। रैली का नेतृत्व जिला अध्यक्ष विनय सिंह राठौर ने किया। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला और नवशिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने एसआईआर (स्कूल इंफॉर्मेशन

रिपोर्ट) में ड्यूटी लगाए जाने का कड़ा विरोध किया। उनका कहना है कि इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने मांग की है कि चुनावी कार्यों के लिए सरकार को अलग से अमला तैनात करना चाहिए। संघ ने ई-अटेंडेंस प्रणाली का भी विरोध किया। शिक्षकों का तर्क है कि वे अटेंडेंस लगाने में ही व्यस्त रहते हैं, जिससे शिक्षण कार्य बाधित होता है। इसके अलावा पुरानी पेंशन बहाल करने, सेवाकाल की गणना कर पेंशन और ग्रेच्युटी का लाभ देने, स्कूल शिक्षा विभाग में मर्ज किए गए शिक्षकों को समान वेतनमान देने और सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने जैसी प्रमुख मांगें रखी गईं। ज्ञापन में शिक्षकों को कार्य दिवसों के अलावा शनिवार-रविवार का अवकाश देने, अध्यापक संवर्ग को पदोन्नति और समयमान वेतन का लाभ देने की बात कही गई। साथ ही दीर्घकालीन सेवाओं को गिनकर वरिष्ठता देने, स्वास्थ्य बीमा और चिकित्सकीय सुविधा प्रदान करने की मांग भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि अटेंडेंस स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन ही रहे, जनजातीय विभाग का नहीं।

18 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से हुई संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 3989 छात्र हुए शामिल

बैतूल । सत्र 2026-27 के लिए जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय मॉडल स्कूल एवं श्रमोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा रविवार को जिले के 18 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई । परीक्षा के लिए 4296 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था । इनमें से 3989 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 307 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे । परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सुरक्षा और अनुशासन के पुख्ता इंतजाम किए गए थे ।

बीस साल पुरानी कमियों को किया दूर: हेमंत खंडेलवाल

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय विजय भवन में आयोजित वीबी जी राम जी अभियान के तहत बैतूल विकासखंड का सम्मेलन सम्पन हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि वीबी जी राम जी नई साईकल की तरह है जिसे कोई परिवार पुरानी और खस्ता हाल हो चुकी साईकल से बदलता है। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण 2025 के तहत अब गांव की योजना और निर्माण गांव के हिसाब से तय होगें। 100 दिन की जगह 125 दिन का रोजगार मिलेगा। आजीविका में वृद्धि होगी, गांव के हिसाब से काम होने से किसान और श्रमिक दोनो को लाभ होगा। नए स्वरूप में वीबीजी राम जी आने से कांग्रेस को इसीलिए तकलीफ है क्योकि 2009 में नरेगा का नाम बदलकर महात्मा गांधी के नाम पर मनरेगा करके वे महात्मा गांधी के नाम पर वोट की राजनीति करना चाहते थे। जबकि 2014 के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को हर गांव हर शहर में साकार किया है। कांग्रेस के दौर में विदेशी उत्पादो का उपयोग करने वाले सम्मान पाते थे। आज खादी को सम्मान मिलता है। गांधी जी के विचारो को सम्मान मिलता है। देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

वीबीजी राम जी अभियान को लेकर बैतूल विकासखंड का सम्मेलन संपन्न

यादव विकसित गांव और प्रदेश के साथ साथ विकसित भारत के लिए लगातार काम कर रहे है। वह दिन दूर नही जब हमारा भारत अमेरिका और चीन से भी आगे निकल जाएगा। श्री खंडेलवाल ने कहा कि खेतो में कटाई और बुवाई के समय श्रमिक सहजता से उपलब्ध होगें जिससे कृषि उत्पादको की लागत कम होगी। मजदूरो का पलायन रूकेगा, जीयो टेगिंग निगरानी और डिजिटल भूगतान से भ्रष्टाचार कम होगा। लक्ष्य आधारित परिसंपत्ति का निर्माण होगा, रोजगार न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिलेगा, भूगतान में देरी पर ब्याज की सुविधा होगी। सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि ग्रामीण आजीविका को आधुनिक रूप से पुर्नगठित करने के लिए वीबी जी राम जी 2025 आया है। आजाद भारत में अग्रेजो के बनाए कानून बदल दिए गए है। उसी तरह मनरेगा की खामियों को दूर कर आज की परिस्थितीयों के अनुकूल कार्य किया गया है। बीस वर्षो में करोडो की राशी खर्च करने के बाद भी मनरेगा के कार्य दिखाई नही देते क्योकि यह कांग्रेस के लिए भ्रष्टाचार का अडडा बन चुके थे। अब भ्रष्टाचार समाप्त होगा, रोजगार और आजीविका में वृद्धि होगी। विकसित गांव से ही विकसित भारत की तस्वीर बनेगी। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि ग्रामीण अंचल की तस्वीर वीबी जी राम जी से बदलेगी। इस अधिनियम के तहत आजीविका के साथ साथ स्थाई परिसंपत्ति का निर्माण होगा। रियल टाईम सामजिक अंकेक्षण से बंदरबाट रूकेगी। कांग्रेस को वीबी जी राम जी में सिर्फ राम के नाम पर दर्द हो रहा है। मनरेगा में भ्रष्टाचार होता था कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी स्वीकार किया था कि वे केन्द्र से वे एक रूपये भेजते है लेकिन जनता तक पंद्रह पैसे पहुंचते है 85 प्रतिशत राशी डकारने वाले मोदी जी के नेतृत्व में हितग्राही को पूरा पैसा उनके खाते मे सीधा पहुंचने से परेशान होकर भ्रामक प्रचार कर रहे है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभियान के जिला संयोजक कृष्णा गायकी ने कहा कि वीबी जी राम जी को लेकर आमला और मुलताई विधानसभा स्तरीय विकास खंड सम्मेलन संपन्न हो चुके है आज बैतूल विकास खंड और आने वाले दे दिनो में भैसदेही और घोडाडोगरी विधानसभा में विकासखंड सम्मेलन संपन्न होने है जिसके बाद पंचायत एवं ग्रामीण स्तर पर ग्राम चौपाल, किसान चौपाल, श्रमिक चौपाल लगाकर हमें वीबी जी राम जी और मनरेगा के तूलनात्मक फायदे ग्रामीणजनो के बीच साझा करना है। इस दौरान हमें किसान पद यात्रा , बैलगाडी यात्रा के साथ साथ ट्रैक्टर यात्रा की तैयारी भी करना है। आज हमें जो जानकारी प्राप्त होगी वह जानकारी कांग्रेस द्वारा रचे जा रहे भ्रम जाल को तोडने का काम करेगी।

संक्षिप्त समाचार

युवक को झोपड़ी से घसीटकर जंगल ले गया बाघ: पिपरिया में सुबह मिला शव

पिपरिया (नर्मदापुरम)। नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में एक बाघ झोपड़ी में घुस गया। वहां से एक युवक को घसीटकर जंगल ले गया। शनिवार सुबह युवक का शव मिला। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना झिरिया (डैम मोहल्ला) से सटे जंगल की है, जो बनखेड़ी सामान्य परिक्षेत्र की डोकरी खेड़ा बीट के तहत आता है। मृतक की पहचान बारी देवी गांव निवासी कमल ठाकुर (पिता शंनूलाल) के रूप में हुई है पिपरिया फॉरेस्ट एसडीओ आशीष खोपरागडे को घटना की सूचना मिलते ही उन्होंने बनखेड़ी रेंज के अधिकारियों को सूचित किया। बनखेड़ी के रेंज ऑफिसर (आरओ) सुमित पांडे ने बताया कि बाघ के हमले में कमल ठाकुर की मौत हुई है। उसका शव बरामद कर लिया गया है। घटना स्थल पर पिपरिया के आरओ दुर्गेश बिसेन सहित अन्य वनकर्मी भी पहुंचे। ग्रामीणों ने सुबह जंगल की झाड़ियों में शव पड़ा देखकर वन विभाग को सूचना दी थी। ग्रामीणों के अनुसार, बाघ ने रात में कमल पर हमला किया और उसके शव को झोपड़ी से घसीटकर जंगल में ले गया। पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है।

रायसेन वृत्त के विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु बैठकों का आयोजन

रायसेन (निप्र)। मप्र विद्युत नियामक आयोग पुनरीक्षण द्वितीय विनियम 2021 के तहत विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम चांदबढ़ भोपाल द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों (विद्युत अधिनियम की धारा 126, 135 से 139, 161 एवं बकाया राशि की वसूली, जहां बिल की गई राशि विवादित ना हो को छोड़कर) की सुनवाई एवं वृत्त स्तर रायसेन वृत्त के उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु 10 फरवरी को बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिसमें विद्युत की आपूर्ति में व्यवधान, स्वीकृति भार या अनुबंधित मांग में वृद्धि या कमी से संबंधित प्रकरण, नवीन विद्युत कनेक्शन में विलम्ब संबंधी प्रकरण, विद्युत बिल से संबंधित शिकायतें, मीटर से संबंधित शिकायतें, नाम परिवर्तन या नामांतरण से संबंधित शिकायतें, उपभोक्ता श्रेणी में परिवर्तन करने में विलम्ब संबंधी शिकायतें, विद्युत आपूर्ति को विच्छेदित करने और पुन: संयोजन करने संबंधी शिकायतें, विद्युत कनेक्शन के स्थानांतरण या अन्य सेवाओं संबंधित शिकायतें, वोल्टेज से संबंधित शिकायतें, लोड शेडिंग/अधिसूचित विद्युत कटौती संबंधित शिकायतें, सुरक्षा धनराशि व ब्याज की अदायगी संबंधित शिकायतें और विद्युत आपूर्ति की विश्वस्ता संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री श्रीमती गौर ने की कुबेरेश्वर धाम पर रूद्राक्ष महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। कुबेरेश्वर धाम में आयोजित होने वाले रूद्राक्ष महोत्सव एवं शिवमहापुराण कथा के दृष्टिगत पिछड़ा वर्ग मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने समीक्षा बैठक आयोजित कर आयोजन की सभी व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आयोजन समिति को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कथा में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए सभी तैयारियां समयसीमा में पूर्ण की जाएं, ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था, असुविधा अथवा सुरक्षा संबंधी समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि समिति प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य सुनिश्चित करे। प्रशासन, कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा तथा कुबेरेश्वर धाम समिति द्वारा प्रभारी मंत्री को आयोजन के लिए की गई तैयारियों के बारे में अवगत कराया गया। बैठक में यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में जाम की समस्या न बने। पार्किंग स्थलों का स्पष्ट चिन्हांकन, अलग-अलग पार्किंग जोन निर्धारण, ऑटो स्टैंड व्यवस्था, स्टैंड तक सुगम ढलान निर्माण तथा वाहनों की सुव्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित की जाए। हाईवे एवं मुख्य मार्गों पर प्रभावी डायवर्जन प्लान लागू किया जाए तथा पर्याप्त संकेतक, फ्लेक्स व सूचना बोर्ड लगाए जाएं। उन्होंने अनाउंसमेंट सिस्टम सतत संचालित रखने तथा फायर ब्रिगेड, अग्निशमन उपकरण व आपातकालीन व्यवस्थाएं उपलब्ध रखने के निर्देश भी दिए। पेयजल, स्वच्छता एवं विद्युत व्यवस्थाओं की समीक्षा में उन्होंने पर्याप्त स्वच्छ पेयजल, प्याऊ, टोंटीयुक्त नल कनेक्शन, जल टैंकर, अस्थायी व चलित शौचालय तथा नियमित सफाई हेतु शिफ्टवार ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा। सभी विद्युत कनेक्शन सुरक्षित हों, नो-मेन जोन का पालन किया जाए। उन्होंने नेटवर्क व्यवस्था, संचार प्रणाली एवं एलईडी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम प्रसारण व सूचना संप्रेषण सुचारू रखने के निर्देश दिए। साथ ही रुद्राक्ष वितरण पूर्णत: बंद रहने संबंधी स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाने को कहा गया। बैठक में भोजनशाला, कथा पंडाल, प्रवेश-निकास द्वार, पार्किंग, कंट्रोल रूम एवं चिकित्सा व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। उन्होंने पूर्णत: क्रियाशील कंट्रोल रूम, पर्याप्त एम्बुलेंस, प्रशिक्षित चिकित्सकीय स्टाफ, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा मिनी आईसीयू स्थापना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने रंगई सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का किया निरीक्षण, कृषि रथ गतिविधियों में शामिल हुए

कलेक्टर ने प्रशिक्षणार्थियों से जमीन में बैठ कर संवाद किए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज रंगई स्थित सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण कर यहां संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से कृषि रथ भ्रमण के माध्यम से किसानों को दी जा रही जानकारी और जागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने प्रशिक्षण केंद्र में उपलब्ध संसाधनों, प्रशिक्षण मॉड्यूल, प्रदर्शन सामग्री और किसानों की सहभागिता के बारे में अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने देखा कि कृषि रथ के माध्यम से गांव-गांव जाकर किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीज, फसल सुरक्षा उपाय, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक खेती एवं शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने विभागों के अधिकारियों से कहा कि कृषि रथ किसानों तक सीधे पहुँचकर ज्ञान और तकनीक का प्रसार करने का एक प्रभावी माध्यम है। इससे किसान नई विधियों को समझकर उत्पादन बढ़ा सकते हैं और खेती की लागत घटा सकते हैं।

उन्होंने मौजूद महिला और पुरुष कृषकों से कहा कि यहां जो जानकारियां दी जा रही उनका अपने खेतों में क्रियान्वयन कर नवाचारों से लाभान्वित होकर कृषि आमदनी में वृद्धि करें। उन्होंने परिणामोन्मुख की ओर अग्रसर होने की अपील की ताकि किसान वास्तव में नई तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। गौरतलब हो कि राज्य सरकार के निर्णय अनुसार वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। जिले के प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर एक-एक कृषि रथ का संचालन किया जाना है। जिसका उद्देश्य किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क स्थापित करना,कृषकों को नवीन तकनीक एवं नवाचार की जानकारी देना, खेती में आने वाली परेशानियों का निराकरण करना, नवीन एवं वैज्ञानिक तकनीक सुधार की जानकारी कृषकों तक पहुँचाना है। जायद, खरीफ एवं रबी फसलों की बुवाई के एक माह पूर्व प्रत्येक विकासखण्ड में कृषि रथ चलाकर एकीकृत रूप से योजनाओं एवं कृषि संबंधित गतिविधियों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

कृषि रथ संचालन के मुख्य आधार स्तंभ के बिन्दु के तहत जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार (एकीकृत पोषक, तत्व एवं रोग प्रबंधन।फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना।प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना।ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था।मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का प्रचार-प्रसार।कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय को सांझा किया जा रहा है।

कृषि, पशुपालन, उद्यानिकीय, बैंकर्स सहित अन्य प्रमुख विभागों के अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं व कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए हितलाभ प्राप्ति की प्रक्रिया बतलाई गई है। कृषि रथ भ्रमण के दौरान आयोजित उक्त कार्यक्रम में कृषि विभाग के सहायक संचालक श्री महेन्द्र सिंह ठाकुर, कॉ-आपरेटिव बैंक के सीईओ श्री विनय प्रकाश सिंह, पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के डॉ बघेल, कृषि वैज्ञानिक सहित खण्ड स्तरीय अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फेमेक्स के तहत एनडीआरएफ टीम ने सतपुड़ा ताप विद्युत गृह और पारसडोह बांध का किया भ्रमण

बैतूल (निप्र)। आपदा के समय त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एनडीआरएफ की टीम द्वारा बैतूल जिले में फेमेक्स कार्यक्रम के अंतर्गत महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कर जागरूकता एवं पूर्व तैयारी संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। एनडीआरएफ के डीआईजी श्री मनोज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन एवं जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित इस अभियान के तहत एनडीआरएफ टीम ने सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी तथा पारसडोह बांध आठनेर का निरीक्षण किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य दोनों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की भौगोलिक स्थिति, संरचना, कार्यप्रणाली, संभावित खतरों एवं संवेदनशील बिंदुओं की जानकारी प्राप्त करना रहा। भ्रमण के दौरान एनडीआरएफ टीम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर संभावित आपदा जोखिम एवं भेद्यता हैज़र्ड एंड वल्नरेबिलिटी, आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं बचाव योजनाएं, चेतावनी एवं संचार व्यवस्था, रेस्क्यू व राहत कार्यों में आपसी समन्वय तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में एनडीआरएफ की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की।एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण एवं अभ्यास से आपदा की स्थिति में त्वरित निर्णय लेने एवं प्रभावी कार्रवाई में सहायता मिलती है। इससे विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है,वहीं संभावित आपदाओं के दौरान जन-धन की हानि को न्यूनतम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकेगी।

नर्मदापुरम में बहन की आई बारात, छोटी बहन की मौत

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर के ग्राम जमुनिया में शादी से पहले दुल्हन की छोटी बहन की संदिग्ध मौत हो गई। जिससे शादी की खुशियों के बीच घर में मातम पसर गया। युवती की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हुई। जिसकी सोहागपुर पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मृतका रोशनी विश्वकर्मा है। मृतका और उसकी दो बहने और है। जिसमें बड़ी बहन शादीशुदा है। मंझली बहन मालती की 5 फरवरी को शादी थी। घर में मेहमान थे। शादी का कार्यक्रम चल रहा था। बारात घर पर आई थी। सभी लोग शादी की तैयारियों में व्यस्त थे।

रोशनी दोपहर करीब 2 बजे से घर पर सो रही थी। परिजनों ने जब पूछा तो उसने सिर दर्द की बात कही और कहा कि मुझे सोने दो। रात करीब 8 बजे तक रोशनी नहीं जागी तो परिजन चिंतित हुए। तुरंत उसे सरकारी अस्पताल सोहागपुर लाया गया। रात करीब 11 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने पुलिस को शादी के बाद विदाई के समय जानकारी दे दी थी। वहीं पुलिस ने शव को मर्चुरी रूम में रखवा दिया था। मौत की जानकारी लगते ही शादी समारोह में मातम पसर गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया। शव परिजनों को सौंप दिया गया है।थाना प्रभारी उषा मरावी ने बताया कि मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। अभी तो जहरीली चीज खाने की आशंका है। मृतिका का बिसरा जांच के लिए भोपाल भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तिकरण हेतु गंभीरता से करें काम:कलेक्टर

बाल मृत्यु रोकने और जिले को कुपोषणमुक्त बनाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने विभागीय गतिविधियों, स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तिकरण के लिए दोनों विभाग का अमला समन्वित प्रयास करें। उन्होंने बैठक के प्रारंभ में विकासखण्डवार बाल मृत्यु की विस्तृत समीक्षा करते हुए सीएमएचओ तथा डीपीओ महिला बाल विकास को निर्देशित किया कि जिले में बाल मृत्यु दर को लगातार कम करते हुए जीरो पर लाना है। इसके लिए जरूरी है कि दोनों विभाग गंभीरता के साथ काम करें।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सीएमएचओ, बीएमओ तथा अन्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाल मृत्यु के कारणों की विस्तृत समीक्षा करें। सटीक विश्लेषण से मृत्यु का कारण तो पता चलेगा ही, साथ ही उसके निवारण की दिशा में प्रयास भी तेज होंगे। हाई रिस्क नवजातों का चिन्हांकन तथा समयबद्ध एवं रेफरल कार्य गंभीरता से हो। इसके अतिरिक्त एएनसी रजिस्ट्रेशन की समीक्षा करते हुए कहा कि वर्तमान में एएनसी रजिस्ट्रेशन 72 प्रतिशत ही है, इसे एक सप्ताह में 90 प्रतिशत से अधिक करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने पोर्टल खुलवाकर बाल मृत्यु की विकासखण्डवार जानकारी का सूक्ष्मता से अवलोकन किया।

उन्होंने विकासखण्डवार बाल मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान जिले में बाल मृत्यु को रोकने के लिए गंभीरतापूर्वक कार्य नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधितों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश देते हुए कहा कि बाल मृत्यु दर में निरंतर कमी लाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बीएमओ से एनएचएम के पोर्टल पर बाल मृत्यु की जानकारी दर्ज कराने, मृत्यु के कारणों की समीक्षा करने और आगे इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न ना हो, इसके लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि सभी बीएमओ इसे गंभीरता से देखें और पोर्टल पर दर्ज जानकारी का स्वयं विश्लेषण करें।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि स्वस्थ्य शिशु के लिए गर्भवती महिलाओं का स्वस्थ्य रहना, पोषण आहार और सभी जांच होना जरूरी है। इसलिए गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की सतत् निगरानी की जाए तथा शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराएं। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि समस्त प्रसव केंद्रों पर उपकरणों, दवाइयों तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और नियमित निरीक्षण भी किया जाए। इसके अतिरिक्त आशा, एएनएम सहित अन्य अमले द्वारा की जाने वाली गृह भेंट की भी नियमित समीक्षा करने के लिए कहा। साथ ही प्रसव पूर्व और बाद की गतिविधियों की भी नियमित रूप से मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान सैम-मैम बच्चों की जानकारी लेते हुए बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण आहार तथा दवाओं के वितरण की समीक्षा की।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर कलेक्टर की सख्त कार्रवाई

बैतूल (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन की नॉन अटेंड शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने नॉन अटेंड रही शिकायतों के दिनों के आधार पर अधिकारियों का फरवरी माह का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। जिसके अनुसार एमपी स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पो लि. बैतूल जिला प्रबंधक श्री विख्यात हिडोंलिया का 9 दिनों का वेतन, मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड वितरण केन्द्र बोरदेही सहायक प्रबंधक श्री संतोष कुमार चंदेल का 7 दिन का वेतन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैतूल सुश्री शिवानी राय का 6 दिन का वेतन तथा सचिव कृषि उपज मंडी समिति श्री सुरेश कुमार परते का 6 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए है।

इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी सुश्री तीजा पवार का 5 दिन का वेतन, श्रम पदाधिकारी श्री धम्मदीप भगत का 5 दिन का वेतन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मुलताई श्री धर्मपाल सिंह मरकाम का 5 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए है। मुलताई प्रभारी तहसीलदार श्री संजय बरैया का 4 दिन का वेतन, लोक निर्माण विभाग कार्यपालन यंत्री सुश्री प्रीति पटेल का 4 दिन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड भैंसदेही प्रभारी सहायक यंत्री श्री निखिल जैन का 4 दिन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी बैतूल कार्यपालन यंत्री श्री मनोज कुमार बघेल का 4 दिन का वेतन तथा प्रभारी तहसीलदार चिचोली श्री पीएस दीवान का 3 दिन का वेतन, प्रभारी तहसीलदार भैंसदेही श्री भगवान दास कुमरे का 3 दिन का वेतन, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड वितरण केंद्र भीमपुर के सहायक प्रबंधक श्री क्षितिज मरावी का 3 दिन का वेतन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास बैतूल के उपसंचालक डॉ.आनंद कुमार बड़ोनिया का 3 दिन का वेतन तथा ऊर्जा विभाग के सहायक प्रबंधक श्री सीएल सकोम का 3 दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड परियोजना क्रियान्वयन इकाई भोपाल सहायक परियोजना प्रबंधक श्री राहुल समाधिया का 2 दिन का वेतन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड शाहपुर के सहायक यंत्री श्री योगेश धुर्वे का 2 दिन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्रभात पट्टन सुश्री आंचल पवार का 2 दिन का वेतन तथा ई गवर्नेंस शाहपुर सहायक प्रबंधक सुश्री सविता कासदे का 1 दिन का वेतन, जिला शहरी विकास अभिकरण बैतूल के परियोजना अधिकारी श्री सतीश मटसेनिया का 1 दिन का वेतन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बैतूल के सहायक ई गवर्नेंस प्रबंधक श्री राजीव कुंभारे का 1 दिन, महिला एवं बाल विकास परियोजना बैतूल ग्रामीण के परियोजना अधिकारी श्री निर्मल सिंह ठाकुर का 1 दिन का वेतन, महिला एवं बाल विकास परियोजना प्रभात पट्टन की परियोजना अधिकारी सुश्री वीरमति उबनारे का 1 दिन, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभात पट्टन के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप धुर्वे का 1 दिन, जनपद शिक्षा केंद्र बैतूल के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्री दुर्गेश रघुवंशी का 1 दिन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड मुलताई के प्रभारी सहायक यंत्री श्री राजेश गौर का 1 दिन का वेतन, लोक निर्माण विभाग उप संभाग बैतूल के अनुविभागीय अधिकारी श्री दरदिनव परमार का 1 दिन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे का 1 दिन का वेतन, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आमला श्री गोपाल साहू का 1 दिन, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड आमला नगर जोन प्रबंधक श्री विलास कुमार उइके का 1 दिन का वेतन, ताप्ती सामान्य बैतूल उपवन मंडल अधिकारी श्री देवानंद पांडे का 1 दिन, जिला परिवहन अधिकारी श्री अनुराग शुक्ला का 1 दिन, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड वितरण केंद्र सावलमेंढा के सहायक प्रबंधक श्री जलज वायकर का 1 दिन का वेतन, उपायुक्त सहकारिता विभाग श्री केके शिव का 1 दिन का वेतन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी सहकारिता विभाग बैतूल कुमारी परिधी अग्रवाल का 1 दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश दिए हैं।

एमपी बोर्ड कक्षा 10/12वीं के प्रश्नपत्र पेटियों में सील

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम। माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 13 फरवरी से और कक्षा 12वीं की परीक्षा 10 फरवरी से शुरू होगी। बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के तहत शुक्रवार को जिले में प्रश्नपत्र, उत्तरपुस्तिकाएं और अन्य गोपनीय परीक्षा सामग्री का वितरण किया गया।

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल से भेजी गई गोपनीय सामग्री का वितरण जिला मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट विद्यालय में किया गया। दोपहर 12 बजे से पहले केंद्राध्यक्षों और सहायक केंद्राध्यक्षों को परीक्षाओं से संबंधित दिशा-निर्देश समझाए गए, इसके बाद प्रश्नपत्रों का वितरण शुरू हुआ। केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष परीक्षा सामग्री की पेटियां लेकर अपने-अपने स्कूल पहुंचे।

प्रश्नपत्रों का वितरण जिला कलेक्टर के अधिकृत प्रतिनिधि सरिता मालवीय, तहसीलदार (नगर) नर्मदापुरम तथा जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी नारायण प्रजापति के मार्गदर्शन में किया गया।सबसे पहले दूरस्थ परीक्षा केंद्रों पचमढ़ी और बनखेड़ी को प्रश्नपत्र वितरित किए गए, ताकि समय पर प्रश्नपत्र संबंधित थानों में सुरक्षित रखवाए जा सकें। इसके बाद शाम 6 बजे तक पिपरिया, सोहागपुर, केसला, माखननगर, इटारसी और सिवनी मालवा ब्लॉक के परीक्षा केंद्रों को सामग्री का वितरण किया गया। उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य एवं समन्वयक साधना बिलथरिया ने बताया कि जिले में कुल 78 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र झल्लार में कुष्ठ विकृति एवं बचाव शिविर आयोजित

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि जिले में कुष्ठ विकृति एवं बचाव शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत 4 फरवरी को विकासखंड चिचोली के मालीपुरा में 8 मरीजों का जल तेल उपचार किया गया।

विकासखंड भैंसदेही के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र झल्लार में 6 फरवरी को 8 मरीजों का जल तेल उपचार कर हाथ पैरों की देखभाल एवं जल तेल उपचार करना सिखाया गया। शिविर में मरीजों को एमसीआर चप्पल, तवा एवं डोंगा प्रदान किए गए।इसके अलावा शिविर में उपस्थित मरीजों को शपथ दिलवाई गई। शिविर में एनएमएम श्री राजेश महतो, श्री चन्द्रशेखर हरोडे, श्री लिखीराम सागरे, श्री दिलीप चौधरी एवं स्टाफ द्वारा अपनी सेवाएं दी गईं।

विधायक डॉ चौधरी ने रायसेन में बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना हेतु पेडिस्टल निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

रायसेन (निप्र)। रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक-16 स्थित अम्बेडकर प्रांगण में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना हेतु 14 लाख रू लागत से बनने वाले पेडिस्टल प्लेटफार्म निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर ने समाज में समता के लिए, समान भाव लाने के लिए जो बुराईयाँ थीं, कुरीतियॉ थीं, उनके विरूद्ध आवाज उठाई और संघर्ष किया। समाज के कमजोर वर्ग को बाबा साहेब ने सशक्त किया और सशक्त कर आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दिया। उन्होंने कहा कि आज यहां प्लेटफार्म निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है तथा शीघ्र ही यह बनकर तैयार हो जाएगा और इसके उपरांत यहां बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

उन्होंने रायसेन नगर और विधानसभा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यो का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा श्री राकेश शर्मा ने भी संबोधित किया। रायसेन सीएमओ सुश्री सुरेखा जाटव द्वारा कार्यक्रम आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर विभिन्न वार्डो के पार्षदगण, अधिकारी और आमजन उपस्थित रहे।

रेलिंग तोड़कर कार नहर में गिरी, 3 की मौत

इटारसी। इटारसी-पथरोटा मार्ग शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पथरोटा की बड़ी नहर की रेलिंग तोड़ती हुई गहरे पानी में जा गिरी। कार में सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान हो गई है। रैसलपुर निवासी लकी पटेल (30) पिता भवानी शंकर पटेल कार चला रहा था। दो अन्य मृतकों में कार सवार शिवम तिवारी (26) पिता महेश तिवारी, निवासी खीर पानी और अभय उर्फ अभि चौहान (19) पिता राकेश चौहान निवासी जय प्रकाश नगर, पुरानी इटारसी हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इटारसी की ओर से आ रही ग्रे रंग की कार अचानक पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए सीधे नहर में समा गई। स्न्न्न्न की प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित ने बताया कि कार सवार युवक बचने के लिए शीशे खोलने की कोशिश कर रहे थे। अंदर से बचाव के लिए चिल्ला भी रहे थे, लेकिन कार लॉक हो गई। तीनों गहरे पानी में जाते गए।

लोगों ने कार को पानी में डूबते देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही इटारसी और पथरोटा पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के तुरंत बाद एक स्थानीय युवक ने जान की परवाह किए बिना नहर में कूदकर कार सवार लोगों को बचाने की कोशिश की, लेकिन गहराई और तेज बहाव के कारण वह सफल नहीं हो सका।

कार के अंदर तीनों युवक मृत हालत में मिले : हालात को देखते हुए नर्मदापुरम से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। करीब ढाई घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद कार को नहर से बाहर निकाला जा सका। कार बाहर आते ही जब उसके दरवाजे खोले गए, तो तीनों युवक मृत हालत में मिले।

युवक बाहर निकलने के लिए संघर्ष करते रहे : एसडीआरएफ की प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित ने बताया कि युवक बाहर निकलने के लिए संघर्ष करते रहे। कांच तोड़ने की कोशिश के निशान मिले हैं, लेकिन तीनों सफल नहीं हो सके।

सिवनी मालवा से लौटते वक्त कार बेकाबू हुई : परिजन के अनुसार, तीनों कार से सिवनी मालवा गए थे। लौटते समय ये हादसा हुआ। मृतक शिवम तिवारी के पिता महेश ने बताया कि शिवम उनका बड़ा बेटा था। हादसे की सूचना सुबह करीब 6 बजे मिली। उस समय वे एक शादी में थे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन की जयंती पर किया स्मरण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न से सम्मानित पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन की जयंती पर उनका स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा, गरीब कल्याण और कमजोर वर्ग के उत्थान के प्रति डॉ. जाकिर हुसैन का समर्पण सदैव याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने शबरी जयंती पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मां शबरी जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रभु श्रीराम जी की परम भक्त, मां शबरी ने आस्था और श्रद्धा को भक्ति का श्रेष्ठ मार्ग बताया। उन्होंने मां से प्रार्थना की है कि सब पर कृपा बनी रहे।

सुप्रीम कोर्ट में आज मंत्री शाह के बयान पर होगी सुनवाई

सीएम और प्रदेश अध्यक्ष केंद्रीय नेतृत्व से कर चुके हैं मुलाकात, मंत्री ने चौथी बार माफी भी मांगी

भोपाल (नप्र)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कर्नल सोफिया पर विवादित बयान देने वाले मोहन यादव सरकार के मंत्री विजय शाह को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने वाली है। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में मंत्री शाह के खिलाफ अभियोजन की कार्यवाही किए जाने के मामले में निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल इसको लेकर दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर चुके हैं और सरकार ने बचाव के लिए रणनीति भी तैयार कर ली है। इस बीच परिस्थितियों को देखते हुए मंत्री विजय शाह चौथी बार माफी भी मांग चुके हैं।

दिल्ली में सीनियर लीडर से मिले सीएम और प्रदेश अध्यक्ष- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कल रात में दिल्ली प्रवास के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले थे। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मंत्री शाह को लेकर बने हालात पर चर्चा की है। इसके साथ ही सीनियर वकीलों से भी इस मामले में सलाह ली गई है, ताकि कोर्ट में सरकार अपना बचाव पक्ष मजबूती से रख सके।

सरकार शाह को लेकर बैकफुट पर है और कुछ मामलों में जांच के आधार पर समय सीमा बढ़ाने की मांग कोर्ट से कर सकती है, इस पर भी पार्टी और सरकार में मंथन हुआ है। 2 दिन पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी दिल्ली प्रवास के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन से मिले थे। इसके बाद ही मंत्री विजय शाह को फिर से माफी मांगने के लिए कहा गया है और शनिवार को मंत्री शाह ने लिखी गई माफी को पढ़कर माफी मांगी है।

घर जाने के लिए पकड़ा था ऑटो, ड्राइवर सीधे ले गया 'कब्रिस्तान', फिर युवक को लूट लिया

भोपाल (नप्र)। रेलवे स्टेशन से घर लौट रहे एक युवक को ऑटो चालक ने लूट लिया। ऑटो चालक युवक को घर पहुंचाने के बजाय शाहजहांनाबाद इलाके के कब्रिस्तान ले गया। वहां उसने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक की पिटाई की और उसका मोबाइल व करीब पांच हजार रुपये लूट लिए।

पीड़ित जितेंद्र कुमार शाक्य (31), करोंद के शांति होम्स कॉलोनी के रहने वाले हैं और प्राइवेट नौकरी करते हैं। शनिवार रात करीब एक बजे उनकी ट्रेन थी, लेकिन स्टेशन देर से पहुंचने के कारण वह ट्रेन नहीं पकड़ पाए। घर जाने के लिए उन्होंने अल्पना तिराहे से एक ऑटो लिया। ऑटो चालक उन्हें भोपाल टॉकीज चौराहे से बैरसिया रोड की ओर ले जाने के बजाय कब्रिस्तान की तरफ ले गया। जब जितेंद्र ने विरोध किया और कारण पूछा, तो चालक ने कहा कि उसे कुछ काम है।

कब्रिस्तान पहुंचते ही ऑटो चालक ने अपने दो साथियों को बुला लिया। इसके बाद तीनों ने मिलकर जितेंद्र की जमकर पिटाई की। उन्होंने जितेंद्र का मोबाइल और पर्स में रखे करीब पांच हजार रुपये भी छीन लिए। जितेंद्र ने बताया कि वह ऑटो का नंबर नोट नहीं कर पाया था। इस मामले में शाहजहांनाबाद पुलिस ने जितेंद्र की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। राजधानी भोपाल में बढ़ते हुए क्राइम से लोगों में डर बना हुआ है।

भोपाल में दो दिनी चीफ जस्टिस कॉन्फ्रेंस का समापन

सीजेआई समेत 25 हाईकोर्ट चीफ जस्टिस ने एआई से न्याय प्रक्रिया तेज करने पर किया मंथन

भोपाल (नप्र)। दो दिनी चीफ जस्टिस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए भोपाल आए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और देश के 25 राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के परिजनों ने भोपाल और आसपास के पर्यटन स्थलों की खूबसूरती का आनंद लिया है। नेशनल ज्यूडिशल एकेडमी में न्यायाधीशों की कॉन्फ्रेंस के बीच उनके परिजनों ने भीमबैठका, भोजपुर के विख्यात शिव मंदिर और ट्राइबल म्यूजियम समेत अन्य स्थानों में विजिट कर भोपाल की खूबसूरती को पास से देखा। इसके बाद रविवार दोपहर बाद सभी न्यायाधीश वापस लौट गए।

भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (एनजेए) में शनिवार को हुई कॉन्फ्रेंस की खास बात यह रही कि दिल्ली के बाद भोपाल इकलौता शहर है जहां सीजेआई समेत सुप्रीम कोर्ट के 9 न्यायाधीश व हाईकोर्ट के सभी 25 चीफ जस्टिस एक साथ जुटे।

यहां पहले दिन न्यायपालिका में तकनीक और एआई के इस्तेमाल पर फोकस रहा। इसमें जस्टिस सूर्यकांत समेत सुप्रीम कोर्ट के 9 न्यायाधीशों ने बात रखी। यहां कहा गया कि मुकदमों की पेंडेंसी निपटाने में एआई मददगार हो सकता है। मुकदमों की प्रक्रिया तेज करने में इसका इस्तेमाल होना चाहिए लेकिन फैसले में एआई की भागीदारी बिल्कुल न हो। फैसले तो पूरी तरह न्यायाधीशों के विवेकाधीन ही होने चाहिए।

डिजिटल डिवाइस और एआई काम की गति बढ़ाने में मददगार- चीफ जस्टिस सूर्यकांत का कहना है कि भारत जैसे विशाल देश में जन केंद्रित न्यायपालिका के लिए तेजी से मुकदमों के निराकरण (क्विक डिस्पोजल) की व्यवस्था बनाना बहुत जरूरी है। इस काम में इन्फॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, डिजिटल डिवाइस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न्यायपालिका के काम की गति बढ़ाने में बड़ी मददगार हो सकते हैं। मौजूदा नीतियों में सुधार के साथ ही न्यायपालिका के परफॉर्मेंस का भी नियमित मूल्यांकन होना चाहिए। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत के साथ एनजेए के डायरेक्टर जस्टिस अनिरुद्ध बोस और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशगण ने इसमें विचार रखे।

सुप्रीम कोर्ट में बनी है कमेटी

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका में एआई के उपयोग और इसके विकास को लेकर एक समिति का गठन किया है। दिसंबर 2025 में इसका पुनर्गठन किया गया है। यह समिति सुप्रीम कोर्ट और अधीनस्थ न्यायपालिका में एआई टूल्स को अपनाने, विकसित करने और इनके उपयोग के लिए एक रोडमैप तैयार करेगी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा इसके अध्यक्ष हैं।

भोपाल कॉन्फ्रेंस की थीम

भोपाल में हुई कॉन्फ्रेंस की थीम एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका रही। कॉन्फ्रेंस में देशभर के हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों ने डिजिटल नवाचार के माध्यम से भाषाई और भौगोलिक बाधाओं को तोड़ने पर विचार-विमर्श किया। एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका थीम पर जस्टिस जेके महेश्वरी, जस्टिस बीबी नागरत्ना, जस्टिस पी. नरसिम्हा, जस्टिस दीपांकर दत्ता, जस्टिस जॉय माल्या बागची, जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली ने अलग-अलग विषयों पर अपनी बात रखी।

'0786' के लिए मची होड़, भोपाल के रईसों ने इन नंबरों के चक्कर में खाली कर दी जेबें

भोपाल (नप्र)। नवाबों के शहर भोपाल के अमीर लोग अपनी गाड़ियों के नंबर प्लेट पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहे हैं। सबसे खास नंबर '0001' 3.35 लाख रुपये में बिका, और ऐसे 13 खरीदारों ने सिर्फ इस नंबर के लिए 16.99 लाख रुपये दिए। '9999' नंबर 5.14 लाख रुपये में और '0786' 2.95 लाख रुपये में बिका। लोग इन नंबरों को सिर्फ अंक नहीं, बल्कि अपनी शान, किस्मत और बातचीत शुरू करने का जरिया मानते हैं।

इसलिए खरीदा 0786 नंबर- टू-व्हीलर मालिक अनवर खान कहते हैं, मैंने 0786 इसलिए खरीदा क्योंकि यह मेरा लकी नंबर है। यह सबसे अलग भी दिखता है। ये नंबर लोगों की गहरी सांस्कृतिक सोच को दर्शाते हैं, जहां कम नंबर प्रतिष्ठा और खास नंबर किस्मत का प्रतीक माने जाते हैं।

कारों के नंबर से ज्यादा कमाई- गाड़ियों के नंबर प्लेट से सबसे ज्यादा कमाई हुई, जो कुल कमाई का 89 प्रतिशत यानी 1.86 करोड़ रुपये है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोग अपनी कारों के लिए प्रीमियम नंबरों पर ज्यादा खर्च करते हैं। दोपहिया वाहनों से सिर्फ 11.48 लाख रुपये (5.5 प्रतिशत) मिले, क्योंकि इन वाहनों के खरीदार 5,000 से 15,000 रुपये की किफायती रेंज के नंबर पसंद करते हैं। खरीदार अमित पटेल, जिन्होंने अपनी एसयूवी के लिए दोहराए जाने वाले पैटर्न वाला नंबर 25,000 रुपये में खरीदा, कहते हैं, ये सिर्फ नंबर नहीं हैं; ये लकी चार्म और प्रतिष्ठा के प्रतीक हैं। भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा बताते हैं, प्रीमियम नंबर कारों की शान बढ़ाते हैं, लेकिन हर कोई इन्हें पाना चाहता है।

किस नंबर को कितने रुपए मिले?- नंबर प्लेट की कीमत एक तय ढांचे के अनुसार बढ़ती है। जैसे, नंबर 444 के लिए 15,000 रुपये, 274 के लिए 25,000 रुपये और 102 के लिए 5,000 रुपये लगते हैं। 1111 से 9999 जैसे दोहराए जाने वाले नंबर, 1212, 4141 जैसे एक जैसे दिखने वाले नंबर और 0001, 1000, 0786 जैसे खास नंबरों ने मिलकर 1.3 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इससे पता चलता है कि भोपाल के लोग खास नंबरों के कितने दीवाने हैं।

शादियों के सीजन में बढ़ती है बिक्री- त्योहारों और शादियों के मौसम में नंबर प्लेट की बिक्री बढ़ जाती है। अक्टूबर 2025 में 122 प्लेटें बिकीं, नवंबर में 24.26 लाख रुपये आए और इस साल जनवरी में 19.71 लाख रुपये की कमाई हुई। एक डीलर बताते हैं, शादियां इसे बढ़ाती हैं, दूल्हों को अपनी नई कारों पर 'यूनिक नंबर' चाहिए होता है।बड़े खरीदार सबसे महंगी प्लेटें खरीदते हैं। टॉप पांच प्लेटों की कीमत ही 12.99 लाख रुपये थी। वहीं, एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी ने 3.59 लाख रुपये में दो प्रीमियम प्लेटें खरीदीं, और एक प्राइवेट फर्म ने 15,000 रुपये प्रति प्लेट के हिसाब से 11 नंबर लिए।

नंबर के पैटर्न से दिखती है सोच - लॉजिस्टिक्स कंपनियां, बिल्डर और स्कूल भी अक्सर एक साथ कई नंबर प्लेट खरीदते हैं। खरीदारों की सोच नंबरों के पैटर्न से साफ झलकती है। स्पेशल सीरीज जैसे 0001, 1000 और 0786 से 77.67 लाख रुपये मिले, यानी हर प्लेट का औसत 31,068 रुपये रहा। दोहराए जाने वाले अंकों (1111-9999) से 27.90 लाख रुपये और एक जैसे दिखने वाले जोड़ों (जैसे 1212, 4141) से 25.71 लाख रुपये मिले।

राजा बनकर हिंदू युवती से रेप, अश्लील वीडियो बनाए

भोपाल में लोगों ने उठक-बैठक लगवाई, बेल्ट से पीटा; आरोपी यूपी का रहने वाला

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के बगरौदा औद्योगिक इलाके में लव जिहाद का मामला सामने आया है। आरोपी उवेज नामक युवक ने खुद को 'राजा' बताकर हिंदू युवती को प्रेमजाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने युवती के अश्लील फोटो और वीडियो भी मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिए।

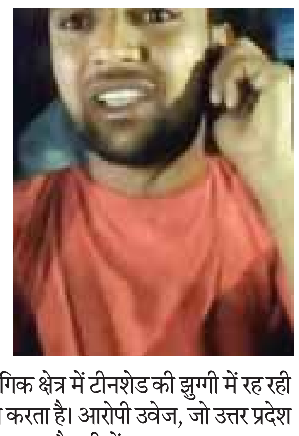

पीड़िता का आरोप है कि बाद में आरोपी ने उन फोटो-वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर कई बार दुष्कर्म किया। जब युवती को पता चला कि आरोपी का असली नाम राजा नहीं बल्कि उवेज है, तब उसने विरोध किया, लेकिन आरोपी ब्लैकमेल करता रहा।

एक साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग- पुलिस के अनुसार, पीड़िता मूल रूप से बैतूल जिले की रहने वाली है और करीब डेढ़ साल से अपने परिवार के साथ बगरौदा औद्योगिक क्षेत्र में टीनशेड की झुग्गी में रह रही थी। परिवार वहीं स्थित फैक्ट्री में काम करता है। आरोपी उवेज, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, उसी इलाके में रहकर एक फैक्ट्री में काम करता था। पास-पास रहने के कारण दोनों की पहचान हुई और करीब एक साल पहले प्रेम-प्रसंग शुरू हुआ।

हिंदू संगठनों ने आरोपी को पकड़ा- कुछ दिन पहले इस पूरे मामले की जानकारी हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को लगी। इसके बाद वे युवक और युवती पर नजर रखे हुए थे। शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे दोनों को साथ देखकर संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोपी को मौके पर पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

प्रदेश के 10 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

पचमढ़ी, राजगढ़, उमरिया और खजुराहो सबसे ज्यादा ठंडे, कई शहरों में सुबह कोहरा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में ठंड का असर एक बार फिर तेज हो गया है। शनिवार-रविवार की रात प्रदेश के 10 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल और आर्थिक राजधानी इंदौर में भी पारे में गिरावट देखने को मिली। भोपाल में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री और इंदौर में 10.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के सबसे ठंडे शहर पचमढ़ी,

उमरिया और खजुराहो रहे, जहां तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़ में 8.5 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, रीवा और मलाजखंड में 9.1 डिग्री, जबकि नौगांव में 9.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बड़े शहरों में ग्वालियर का न्यूनतम तापमान 11.2, उज्जैन का 12 और जबलपुर का 11.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सुबह के समय कई जिलों में कोहरे का भी असर रहा। उज्जैन में विजिबिलिटी 1 किलोमीटर से अधिक रही, जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रतलाम, मंडला और सतना में दृश्यता 2 से 4 किलोमीटर के बीच दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में रात की ठंड का असर बना रह सकता है।

एयरलाइंस की पूर्व कर्मचारी से ग्वालियर में रेप

भोपाल में पति से झगड़े के बाद दोस्त के बुलाने पर आई थी, मदद के नाम पर दुष्कर्म

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में एक पूर्व एयरलाइंस कर्मचारी के साथ उसके दोस्त के परिचित ने दुष्कर्म किया है। पीड़ित 25 वर्षीय महिला भोपाल जहांगीराबाद इलाके की रहने वाली है। 23 जनवरी को पति से झगड़े के बाद वह दोस्त के बुलाने पर ग्वालियर आ गई थी। यहां दो दिन वह यहां वहां रुकी। उसके बाद दोस्त ने अपनी कलीग के उम्रदराज क्लाइंट के यहां उसे भेज दिया।

वह उसे विश्वविद्यालय थाना स्थित एक फ्लैट में ले गया और यहां पहले शराब पी, फिर जबरन पूर्व एयरलाइंस कर्मचारी के साथ दुष्कर्म किया। घटना 25 जनवरी 2026 गमोरा होटल के पास सिटी सेंटर की है।

पीड़िता ने भोपाल लौटने के बाद वहां मामले की शिकायत की थी। जिस पर केस डायरी घटना स्थल ग्वालियर का होने पर विश्वविद्यालय थाना आई है। ग्वालियर में रविवार को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

ऑफिस जाने पर पति से हुआ था झगड़ा- पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि उसने बीकॉम की पढ़ाई की है। वर्ष 2021 तक इंडिगो एयरलाइंस की कर्मचारी रही हूं। अब पूरी तरह गृहिणी हूं। उसका पति से बिना बताए ऑफिस चले जाने पर झगड़ा हो गया था। ऑफिस से लौटने पर पति ने उससे मारपीट की थी। 23 जनवरी को झगड़ा हुआ तो वह नाराज होकर मंडीदीप चली गई।

वहां से वापस भोपाल आई और ग्वालियर में रहने वाले अपने दोस्त नितिन भदौरिया से मोबाइल पर बात की। नितिन ने कहा कि वह ग्वालियर आ जाए। महिला ग्वालियर आई तो नितिन उसे अपने घर ले गया लेकिन उसके माता-पिता ने घर में रुकवाने से मना कर दिया। महिला को नितिन ने उस दिन एक होटल में रुकवाया और दूसरे दिन अपनी महिला दोस्त से मुलाकात करवाई।

महिला दोस्त ने अपने क्लाइंट पंकज शुक्ला नाम के व्यक्ति से मुलाकात करवाई जो उम्र में पीड़िता से काफी बड़ा था। पंकज उसे विश्वविद्यालय थानाक्षेत्र में गमोरा होटल के पास एक फ्लैट पर ले गया। उस फ्लैट के बाहर सीएसके चौधरी के नाम की नेम प्लेट लगी थी। 25 जनवरी की सुबह पंकज शुक्ला ने महिला को नाश्ता करवाया और रात को फिर फ्लैट पर पहुंच गया।

नशा करने के बाद किया रेप- पंकज उसे अपने फ्लैट पर लेकर पहुंचा और बोला कि अब आराम से यहां पर रहो। इसके बाद वह उसके सामने ही शराब की बोतल खोलकर शराब पीने लगा। उसने महिला को पास बैठने के लिए कहा। यहां उसने पहले गंदी नीयत से उसका हाथ पकड़ा और जब महिला ने विरोध किया तो जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया।

इसके बाद उसे हत्या करने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित महिला ने अपने दोस्त नितिन को कॉल किया। नितिन ने वहां से उसे निकलने के लिए कहा और युवती को किसी तरह स्टेशन तक पहुंचाया।

पति लेने आया था भोपाल से ग्वालियर

घटना के बाद वह किसी तरह स्टेशन पहुंची और यहां से पति को कॉल किया। पति उसे लेने के लिए स्टेशन आया और वह वापस भोपाल चली गई। भोपाल पहुंचने के बाद उसने पति को पूरी घटना से अवगत कराया।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सीधी भर्ती वाले आईपीएस खफा

कहते हैं कि छत्तीसगढ़ में सीधी भर्ती वाले आईपीएस कई जिलों में पदोन्नत आईपीएस अफसरों को पुलिस अधीक्षक बनाए जाने से खफा हैं। राज्य में 33 जिले हैं, जिनमें से 16 जिलों में पदोन्नत आईपीएस एसपी हैं। इनमें डीआईजी रैंक वाले सात पदोन्नत आईपीएस जिले की कमान संभाले हुए हैं। कहा जा रहा है कि राज्य के पहले पुलिस कमिश्नर पदोन्नत आईपीएस को बनाए जाने का दर्द भी सीधी भर्ती वाले अफसरों को है। खबर है कि राज्य के कई जिलों में पदोन्नत आईपीएस अफसरों को एसपी और एसएसपी बनाए जाने को लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट भी वायरल हो रहा है। भाजपा सरकार में बिलासपुर,दुर्ग, रायगढ़ जैसे जिलों में पदोन्नत आईपीएस एसएसपी हैं। नवनिर्मित रायपुर ग्रामीण जिले का एसपी भी पदोन्नत अफसर को बनाया गया है। कहा जा रहा है कि कई जिलों में पदोन्नत अफसरों को एसपी बनाए जाने से सीधी भर्ती वाले आईपीएस के एसपी बनने का मौका थम सा गया है। 2020 और 2021 के सीधी भर्ती वाले आईपीएस एसपी बनने की कतार में हैं और उन्हें मौका नहीं मिल पा रहा है। चर्चा है कि रिटायर पदोन्नत आईपीएस अफसरों को संविदा नियुक्ति देकर ओएसडी बनाए जाने का फैसला भी सीधी भर्ती वालों को रास नहीं आ रहा है। विष्णुदेव साय की सरकार ने एक रिटायर पदोन्नत आईपीएस अफसर को स्टेट फारेंसिक लेबोरेटरी का प्रमुख बना दिया है। सुनने में आ रहा है कि पिछली सरकारों में सीधी भर्ती वाले आईपीएस अफसरों को ज्यादा तव्वजो मिलता था। अधिकांश जिलों की कमान उन्हीं के पास रहती थी और संविदा की बात होती थी, तो ज्यादातर बाजी उन्हीं के हाथ लगती थी। विष्णुदेव साय की सरकार ने मामला एकदम उल्टा कर दिया है।

क्या बजट सत्र में दिखेंगे लखमा ?- कोंटा से कांग्रेस के विधायक कवासी लखमा जेल से छूट गए हैं। कवासी लखमा को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिली है। शर्त यह भी है कि कवासी लखमा को जमानत अवधि में छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा, ऐसे में चर्चा शुरू हो गई है क्या कवासी लखमा छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में शामिल हो पाएंगे। विधानसभा का बजट सत्र 23 फ़रवरी से शुरू होने जा रहा है। बताते हैं कि जेल से छूटने के बाद कवासी लखमा पिछले दिनों विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह से मिले थे। खबर है कि विधानसभा अध्यक्ष ने उनके मामले में विचार का आश्वासन दिया है, लेकिन पक्ष में फैसला का कोई संकेत नहीं दिया है। माना जा रहा है कि विधानसभा अध्यक्ष कानूनविदों से राय लेकर ही कोई फैसला करेंगे। गेंद विधानसभा अध्यक्ष के पाले में है। वैसे कवासी लखमा की रिहाई के वक्त उनके समर्थकों ने ताकत दिखाई और गाजे-बाजे के साथ उनकी अगवानी की। अब असल परीक्षा तो विधानसभा में मौजूदगी की है। विधानसभा सत्र में शरीक हो पाएंगे, तो अपनी बात कह पाएंगे और विधायक होने का मान भी मिलेगा।

कांग्रेस में एक अनार सौ बीमार- अप्रैल में छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के सांसद केटीएस तुलसी और फूलोदेवी नेताम का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। दोनों ही सांसद कांग्रेस के हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा की दलीय स्थिति के आधार पर एक सीट भाजपा और एक कांग्रेस को मिलेगी। बताते हैं कांग्रेस के कोटे से राज्यसभा में जाने के लिए कई नेता लगे हैं। कांग्रेस में ऐसे कई दिग्गज नेता हैं, जो विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव भी हार गए, ऐसे कई नेताओं की नजर राज्यसभा पर है। पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत कई नेता राज्यसभा की दौड़ में बताए जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज भी अभी किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। अब सवाल है कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ के किसी नेता को राज्यसभा भेजती है या फिर दिल्ली के किसी बड़े नेता को ताज पहनाती है। कांग्रेस के कोटे से अभी तीन राज्यसभा सांसद छत्तीसगढ़ से बाहर के हैं। माना जा रहा है कि इस बार कांग्रेस से छत्तीसगढ़ के किसी कांग्रेस नेता को ही राज्यसभा भेजेगी। किसी आदिवासी नेता को मौका मिलता है या सामान्य या ओबीसी, यह देखना है।

कल्पना वर्मा प्रकरण से पुलिस की साख पर आंच- लव ट्रैप में फंसाकर वसूली के आरोपों में घिरी डीएसपी कल्पना वर्मा को छत्तीसगढ़ सरकार ने निलंबित तो कर दिया, पर इस प्रकरण से छत्तीसगढ़ पुलिस की साख पर दाग लग है, वह कैसे साफ़ होगा, यह बड़ा सवाल है। पुलिस का काम लोगों को सुरक्षा देना और संकट से उबारना है, पर पुलिस के अधिकारी ही अपराध में लिप्त हो जाएंगे या लोगों को अपना शिकार बनाना शुरू कर देंगे, तो फिर लोग पुलिस पर विश्वास कैसे करेंगे ? कल्पना वर्मा के खिलाफ जाँच अधिकारी ने 1400 पन्नों की रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितता, पद का दुरुपयोग और संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस में कल्पना वर्मा का पहला मामला नहीं है। एक पुलिस इंस्पेक्टर की पत्नी ने एक आईजी स्तर के अधिकारी पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इसकी भी जाँच चल रही है। लोगों को इस मामले की जाँच रिपोर्ट का इंतजार है। इसके पहले भी एक बड़े अफसर पर एक महिला सिपाही ने उत्पीड़न का आरोप लगाया था और मामला विशाखा कमेटी में गई थी। विशाखा कमेटी ने बड़े अफसर के खिलाफ रिपोर्ट दी थी, पर सरकार ने रिपोर्ट को वजन नहीं दिया और बड़े साहब को प्रमोशन दे दिया।

मंत्री का भाई ही मंत्री- कहते हैं राज्य के एक मंत्री जी अपने भाई पर आँख मूँद कर भरोसा कर रहे हैं। यहाँ तक की मंत्री जी ने अपने भाई को फाइलिंग का पासवर्ड तक दे दिया है। खबर है कि मंत्री जी से काम करवाने के लिए पहले भाई से संपर्क करना होता है। मंत्री जी पहली बार विधायक बने हैं। बताते हैं कि मंत्री जी कुछ महीने पहले अपने बयानों को लेकर सुर्ख़ियों में आ गए थे। संगठन कार्रवाई करते-करते रह गया। इससे मंत्री जी के हौसले और बुलंद हो गए।

रील वाले मंत्री जी- प्रदेश में आजकल विष्णुदेव साय सरकार के एक मंत्री जी रील वाले मंत्री जी के नाम से पहचाने जाने लगे हैं। बताते हैं मंत्री जी हेलिकॉप्टर या फिर कार से उतरते और लोगों से मिलते रील बनवा लेते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर डाल देते हैं। चर्चा है कि मंत्री जी का फोकस काम की जगह रील बनवाने पर होता है। बताते हैं मंत्री जी रील बनाने के लिए बाकायदा एक टीम रखी है। यह टीम मंत्री जी के साथ ही रहता है।